दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005 www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 150 ■ दमण, सोमवार 02, मार्च 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

दीव में फुग्रो परिवार की कोहिनूर होटल के पास हस्तगत की गई 200 करोड रूपये की 3,87000 स्क्वेयर फीट जमीन मामले में एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल में प्रशासन की जीत

■ प्रशासक प्रफुल पटेल के सीधे निर्देश अनुसार, दीव प्रशासन ने फुग्रो परिवार द्वारा सरकार की ओर से किसानों को दी गई सरकारी जमीन को वापस लेने के लिए की थी कार्रवाईः होटल कोहिनूर और कल्पना डिस्टलरी के नाम पर अवैध तरीके से चढाई गई जमीन को श्री सरकार के नाम चढाकर प्रशासन ने कब्जे में लिया था ■ फुग्रो परिवार ने प्रशासन के आदेश के खिलाफ एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (जिला अदालत दीव) में दायर की थी याचिका ■ एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल का आया आदेशः दीव प्रशासन की कार्रवाई को ठहराया सही, फुग्रो परिवार की अपील को किया खारिज

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 मार्च। फुग्रो परिवार द्वारा पुर्तगालियों से आजादी के बाद दीव के किसानों को सरकार द्वारा दी गई जमीनों को अपने नाम चढाने के खिलाफ दीव प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई को एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (जिला अदालत दीव) ने सही ठहराते हुए फुग्रो परिवार द्वारा दायर की गई याचिका को खारिज कर दिया है। ज्ञात हो कि फुग्रो परिवार ने सरकार द्वारा जरूरतमंद नागरिकों और किसानों को दी गई कोहिनूर होटल के पास की 200 करोड रूपये की कीमत की 3,87000 स्क्वेयर फीट जमीन को इस होटल और कल्पना डिस्टलरी के नाम पर चढा दिया था। इस पूरी प्रक्रिया में बिना कलेक्टर की परमिशन के पूरा खेल खेला गया था। अगस्त 2016 में तत्कालीन संघ प्रदेश दमण-दीव की कमान संभालने के साथ प्रशासक प्रफुल पटेल ने प्रदेश में सरकारी जमीनों की स्थिति, गलत तरीके से सरकारी जमीनों को हडपने तथा अवैध कब्जे सहित के मामलों की सघन जांच शुरू कराई थी। दीव प्रशासन ने प्रशासक प्रफुल पटेल दिशानिर्देश एवं मार्गदर्शन में इसी मुहिम के अनुसार फुग्रो परिवार द्वारा दीव में अवैध तरीके से अपने नाम पर चढाकर कब्जाई हुई जमीनों के मामले में कार्रवाई शुरु की थी। इस कार्रवाई में कोहिनूर होटल के पास की 3,87000 स्क्वेयर फीट जमीन को प्रशासन ने फिर से श्री सरकार के नाम पर चढाते हुए ग्राउंड जीरो पर अफसरों को भेजकर सरकार के कब्जे में ले लिया था। प्रशासन की इस कार्रवाई के खिलाफ फुग्रो परिवार एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (जिला अदालत दीव) में चला गया था। दीव प्रशासन के वर्तमान अधिकारियों ने सबूतों के साथ सरकार का पक्ष मजबूती से रखा। एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल ने सभी साक्ष्यों एवं प्रशासनिक प्रक्रिया को उचित मानते हुए फुग्रो परिवार की याचिका को खारिज करते हुए प्रशासन के पक्ष में फैसला सुनाया है। एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल द्वारा घोषित फैसले से स्पष्ट है कि दीव प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई पूर्णतः कानूनी प्रक्रिया के तहत, पारदर्शी एवं जनहित में थी। एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल के आदेश के पश्चात सरकारी जमीन पर से अवैध कब्जा जो हटाया गया था वह कानूनी तौर पर बिल्कुल उचित था, इस बात की पुष्टि हो गई है। दीव प्रशासन ने पुनः स्पष्ट किया है कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा एवं अनधिकृत निर्माण किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

दमण में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में सांसद उमेश पटेल ने कई विभागों के कार्यों की समीक्षा की

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 01 मार्च। दमण जिला पंचायत सभागार में दमण जिले की दिशा (जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में दमण-दीव सांसद उमेश पटेल, दमण जिला पंचायत अध्यक्ष धरम पटेल, उपजिला कलेक्टर आरती अग्रवाल, जिला पंचायत मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष मोहन, बीडीओ मिहिर जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इस बैठक के दौरान सांसद उमेश पटेल ने कहा कि योजनाएं कागज पर नहीं, लोगों के जीवन में दिखनी चाहिए। फंड का 100% उपयोग होना चाहिए - केवल आवंटन नहीं, जवाबदेही तय हो अधिकारी स्तर पर, अगली बैठक में ठोस प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। सांसद ने सभी विभागों को लिखित कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) अगली मीटिंग के भीतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया तथा प्रत्येक योजना की Geo-tagged फोटो रिपोर्ट अनिवार्य करने की बात कही। इस दौरान सांसद ने प्रमुख विभागों की समीक्षा की। जिसमें उन्होंने पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण की समीक्षा करते हुए ग्राउंड वाटर लेवल रिपोर्ट, दमण जिले के बोरवेल गुणवत्ता रिपोर्ट, औद्योगिक निरीक्षण रिपोर्ट (पिछले 12 माह), एसटीपी/ईटीपी कार्यशीलता रिपोर्ट, नदी एवं समुद्री जल गुणवत्ता (बीओडी/सीओडी), एक यूआई औसत डेटा की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। स्वास्थ्य विभाग (आयुष्मान भारत / एनएचएम) की समीक्षा करते हुए जिला अस्पताल में डॉक्टरों की स्वीकृत बनाम कार्यरत संख्या, विशेषज्ञ पद रिक्तियां, आईसीयू बेड उपलब्धता, ओपीडी औसत, आयुष्मान कार्ड बनाम वास्तविक उपयोग, पैनल हॉस्पिटल में आयुष्मान लागू क्यों नहीं? पर रिपोर्ट मांगी। शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने शिक्षक स्वीकृत बनाम कार्यरत पद, विषयवार रिक्तियां, स्मार्ट क्लास और इंटरनेट उपलब्धता, ड्रॉपआउट रेट (लड़के बनाम लडकियां), पीएम पोषण निरीक्षण रिपोर्ट मांगी। भर्ती प्रक्रिया पर विशेष प्रश्न उठाते हुए सांसद ने पूछा कि अंग्रेजी माध्यम भर्ती में गुजराती माध्यम के विद्यार्थियों को अवसर से वंचित क्यों रखा गया? जल शक्ति/पेयजल विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने 100% एफएचटीसी वास्तविक कवरेज, जल गुणवत्ता परीक्षण आवृत्ति, पाइपलाइन लीकेज प्रतिशत, फ्लोराइड / खारापन प्रभावित क्षेत्र, पाइपलाइन टूटने की स्थिति में वैकल्पिक जल आपूर्ति व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। ग्रामीण एवं शहरी विकास विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने मनरेगा की वास्तविक प्रगति, पीएमएवाय-जी स्वीकृत बनाम पूर्ण मकान, एसवीएम-यू एवं एएमआरयूटी फंड उपयोगिता प्रतिशत, एसटीपी प्रोजेक्ट प्रगति रिपोर्ट को जांचा। समाज कल्याण एवं पेंशन योजना की समीक्षा के दौरान लंबित वृद्धावस्था/विकलांग पेंशन, छात्रवृत्ति लंबित आवेदन, डीबीटी फेल ट्रांजेक्शन संख्या, एसीपी/टीएसपी फंड उपयोगिता और कृषि, पशुपालन, मत्स्य विभाग की समीक्षा करते हुए पीएम किसान लाभार्थी, लंबित फसल बीमा क्लेम, केसीसी वितरण प्रतिशत, पशु चिकित्सक रिक्तियां, मत्स्य सब्सिडी वितरण स्थिति की जानकारी ली। इस दिशा की बैठक में अन्य विभागों की विस्तृत समीक्षा कर सांसद उमेश पटेल ने जरूरी सूचना और निर्देश दिए। दिशा बैठक मे सांसद के निर्देश दिये कि सभी विभाग अगली मीटिंग से पहले एटीआर प्रस्तुत करें, मोनिटरिंग मैट्रिक्स तैयार की जाए, शोसल ऑडिट अनिवार्य हो, Geo-tagging रिपोर्टिंग लागू हो। अगली बैठक में विभागवार प्रगति की सार्वजनिक समीक्षा करने का सांसद ने स्पष्ट संदेश दिया। बैठक के अंत में सांसद उमेश पटेल ने कहा कि दमण का बच्चा उद्योग में मजदूर नहीं, इंजीनियर और अधिकारी बनना चाहिए, डिजिटल इंडिया का सपना, बिना डिजिटल स्कूल के अधूरा है, विकास के नाम पर आंकड़े नहीं, परिणाम चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को चेतावनी दी कि अगली बैठक में केवल प्रस्तुति नहीं, बल्कि ठोस उपलब्धियां दिखाई देनी चाहिए। इस बैठक के बारे में सांसद कार्यालय द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी गई।

पोद्दार जंबो किड्स स्कूल चला में विशेष रसोई कार्यक्रम का हुआ आयोजन

■ घेलवाड ग्राम पंचायत सरपंच हिताक्षी पटेल मुख्य अतिथि के रुप में रही उपस्थित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 मार्च। पोद्दार जंबो किड्स स्कूल चला में बच्चों एवं अभिभावकों में सर्जनात्मकता एवं स्वस्थ आहार के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से एक विशेष रसोई कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर दमण जिले की घेलवाड ग्राम पंचायत सरपंच हिताक्षी जिग्नेश पटेल मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रही। बच्चों एवं अभिभावकों को सर्जनात्मकता एवं स्वस्थ आहार के प्रति जागरूक करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हिताक्षी पटेल ने बच्चों एवं उनके माता-पिता को प्रोत्साहित किया तथा सर्जनात्मक कार्यक्रम की प्रशंसा की। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के व्यंजन प्रस्तुत किये गये। जिसका उपस्थित अतिथियों ने निरीक्षण किया। पूरे कार्यक्रम का आनंद एवं उत्साहपूर्ण समापन हुआ।

मोदी जी हैं तो हम सुरक्षित हैं, दुबई जाने वालों पर बीजेपी सांसद का विवादित तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत के बाद भी इजरायल और ईरान के बीच जंग थमती नहीं दिख रही है। सऊदी अरब से लेकर यूएई और कुवैत से लेकर बहरीन तक ईरान अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है। ऐसे में बीजेपी के सांसद निशिकांत दुबे ने भारतीय पासपोर्ट छोड़कर मिडिल ईस्ट में बसने वाले भारतीयों पर तंज कसा है और मोदी सरकार की तारीफ की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निशिकांत दुबे ने कहा है कि अपना भारतीय पासपोर्ट छोड़कर दुबई जाने वाले लोगों के लिए सबक, मोदी जी हैं तो हम सुरक्षित हैं। लम्बे लम्बे सोशल मीडिया पर पोस्ट करना आसान है। दुबे का यह कमेंट ऐसे समय आया है, जब ईरान लगातार दुबई को भी अपनी मिसाइलों के जरिए निशाना बना रहा है। बता दें पिछले कुछ सालों में ऐसे कई मामले सामने आए जब भारतीय नागरिकों ने भारत की नागरिकता छोड़कर अमेरिका, ब्रिटेन या दुबई की नागरिकता हासिल कर ली है। बता दें दुबई अपना अंतरराष्ट्रीय लेवल और ऊंचा करने के लिए दुनियाभर से अमीर और फेमस लोगों को दुबई आकर बस जाने के लिए आमंत्रित करता है। ऐसे लोगों को दुबई अपने यहां की नागरिकता भी देता है। आकर्षक ऑफर्स को देखते अलग-अलग देशों से बड़ी तादाद में लोग अपनी नागरिकता छोड़कर दुबई की नागरिकता ले लेते हैं।

अखिलेश यादव ने आई-पैक के साथ डील की फाइनल

-बंगाल चुनाव के बाद यूपी में ग्राउंड पर उतरेगी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एक साल बाकी है। समाजवादी पार्टी ने चुनावी तैयारियों की शुरुआत कर दी है। लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में बढ़त के बाद सपा उत्साहित है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपने कैंपेन को संभालने के लिए पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक को हायर किया है। दोनों कैंप के सूत्रों ने कन्फर्म किया कि यह डील इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में फाइनल हुई थी। आई-पैक को जन सुराज लीडर प्रशांत किशोर ने को-फाउंड किया था। आई-पैक पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आने वाले चुनावों के बाद सपा के लिए काम शुरू करेगी।

बंगाल के बाद शुरू होगा काम

आई-पैक के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि हमारा ज्यादातर वर्कफोर्स अभी पश्चिम बंगाल में असेंबली इलेक्शन के लिए इकट्ठा है। हालांकि शुरुआती मीटिंग्स हो चुकी हैं, लेकिन ज्यादातर काम उत्तर प्रदेश में बंगाल इलेक्शन के बाद ही शुरू होगा। हमारे एक डायरेक्टर विनेश चंदेल वहां टीम को हेड करेंगे।

आईईडी ब्लास्ट में असिस्टेंट कमांडेंट घायल

चाईबासा (एजेंसी)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी विस्फोट में कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट अजय मल्लिक घायल हो गए। घटना सारंडा के मरांगपोंगा इलाके में हुई, जहां सुरक्षा बलों की टीम जंगलों में सघन तलाशी अभियान चला रही थी। अभियान के दौरान पहले से बिछाए गए विस्फोटक में अचानक धमाका हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास मौजूद जवान भी सतर्क हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नक्सलियों ने सुरक्षाबलों की मूवमेंट को देखते हुए पहले से ही आईईडी प्लांट कर रखा था। धमाके में सहायक कमांडेंट मल्लिक को चोटें आईं, हालांकि उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। विस्फोट के तुरंत बाद मौके पर मौजूद जवानों ने घायल अधिकारी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जंगल के बीच चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से चलाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची ले जाने की तैयारी की गई।

टांडा के जंगल में हाथी से टकराई बाइक, दो भाईयों की मौत

हल्द्वानी (एजेंसी)। टांडा जंगल में हाथी से दोपहिया वाहन टकरा गया। इससे दोपहिया वाहन सवार सड़क पर गिर गए, जिसमें एक मौत हो गई। जबकि दूसरे को अस्पताल ले जाया जा रहा था लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से शाहजहांपुर कटरा और वर्तमान में बनभूलपुरा के गफूर बस्ती निवासी शकील (26) और जाफर (28) शनिवार की शाम हल्द्वानी से रुद्रपुर की ओर जा रहे थे। इस दौरान टांडा रोड स्थित हाथी कारिडोर में उनके वाहन के सामने अचानक हाथी आ गया, जिससे उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और वाहन चल रहे शकील के सिर में चोट लग गई। साथ ही पीछे बैठे जाफर भी सड़क हादसे में घायल हो गया। सड़क हादसे के बाद रास्ते से गुजर रहे लोगों ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल भेजा। जहां शकील को मृत घोषित कर दिया, जबकि जाफर को हायर सेंटर भेजा, जिसपर बरेली ले जाते वक्त रास्ते में जाफर ने भी दम तोड़ दिया। लोगों ने बताया की दोनों रिश्ते के भाई थे। जो हल्द्वानी में रहकर आर्टिफिशियल ज्वेलरी व कपड़ों की फेरी करते थे घटना के बाद परिवार में मातम छा गया।

जम्मू-कश्मीर में भूकंप के झटके, डोडा ज़िले में 4.2 तीव्रता से कांपी धरती

जम्मू (एजेंसी)। रविवार तड़के सुबह जम्मू-कश्मीर का डोडा ज़िला भूकंप के झटकों से दहल गया। रिक्टर स्केल पर 4.2 मैग्नीट्यूड की तीव्रता वाले इस भूकंप ने पहाड़ी इलाके के निवासियों में दहशत पैदा कर दी, हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। जैसे ही सुबह हुई, परेशान लोकल लोग हालात का अंदाज़ा लगाने के लिए अपने घरों से बाहर निकले, उन्हें हिमालय की ठंडी हवा के बीच अपने पहाड़ी गांवों को सही-सलामत पाकर राहत मिली।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर में कटे 61 लाख नाम, 8 फीसदी की गिरावट

पहले मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ थी, जो अब घटकर 7.04 करोड़ रह गई

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में पिछले चार महीनों से जारी एसआईआर की प्रक्रिया शनिवार को खत्म हो गई। चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची में राज्य के चुनावी परिदृश्य की एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। इस बार मतदाता सूची में 8 फीसदी यानी करीब 61 लाख की शुद्ध गिरावट दर्ज की गई है, जबकि अन्य 60 लाख मतदाताओं के नाम जांच के घेरे में हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक बंगाल की नई मतदाता सूची में 7.04 करोड़ मतदाताओं के नाम हैं। अक्टूबर में जब प्रक्रिया शुरू हुई थी, तब मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ थी, जो अब घटकर 7.04 करोड़ रह गई है।

चुनाव आयोग के मुताबिक सबसे ज्यादा पुरुष मतदाताओं की संख्या 3,60,22,642 है। इसके बाद महिला मतदाताओं की संख्या 3,44,35,260 है। वहीं बंगाल में थर्ड जेंडर वोटर की संख्या 1,382 है। अब तक 63,66,952 नाम हटाए गए हैं। ये या तो मृत हो गए हैं या फिर कहीं दूसरी जगह पर शिफ्ट हो चुके हैं।

इस संशोधन की सबसे बड़ी और विवादास्पद बात यह है कि 60,06,675 मतदाताओं के नाम अंतिम सूची में तो हैं, लेकिन उनके आगे विचाराधीन का मार्क लगा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त 501 न्यायिक अधिकारी इन नामों की समीक्षा कर रहे हैं। सीईओ अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि जब तक इन अधिकारियों द्वारा नामों को हरी झंडी नहीं दी जाती और सप्लीमेंट्री सूची जारी नहीं होती, ये 60 लाख लोग आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे। अग्रवाल ने स्वीकार किया कि इस विशाल प्रक्रिया में कुछ त्रुटियां हुई हैं, लेकिन उन्होंने उन्हें नगण्य बताया।

पश्चिम बंगाल का यह चुनाव संशोधन कई मायनों में ऐतिहासिक और विवादित रहा है। माइक्रो-ऑब्जर्वर्स की तैनाती को लेकर विवाद हुआ। पहली बार चुनाव आयोग ने राज्य सरकार के अधिकारियों के काम की निगरानी के लिए हजारों केंद्रीय कर्मचारियों को माइक्रो-ऑब्जर्वर के रूप में तैनात किया। सीएम ममता बनर्जी द्वारा इस प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, जिसके बाद अदालत ने न्यायिक अधिकारियों को पात्रता तय करने का जिम्मा सौंपा। चुनावों की आहट के बीच राज्य में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है। सीईओ ने बताया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 240 कंपनियां पहले ही तैनात की जा चुकी हैं और 240 अन्य कंपनियां 10 मार्च से पहले बंगाल पहुंच जाएंगी। चुनाव की घोषणा होने तक कानून-व्यवस्था राज्य प्रशासन के अधीन रहेगी, जिसके बाद यह पूरी तरह चुनाव आयोग के नियंत्रण में आ जाएगी।

एलओसी पार से पुंछ में घुसा पाकिस्तानी ड्रोन, भारतीय सेना ने फायरिंग कर खदेड़ दिया

जम्मू (एजेंसी)। एक बार फिर पाकिस्तान की ओर से नापाक हरकत की गई, जबकि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास पाकिस्तानी ड्रोन भेजा गया। रविवार तड़के डिगवार इलाके में तैनात भारतीय सेना के जवानों ने उक्त संदिग्ध ड्रोन को देखते ही तुरंत जवाबी फायरिंग की। जानकारी अनुसार पाकिस्तानी ड्रोन रविवार सुबह करीब 6 बजकर 10 मिनट पर भारतीय क्षेत्र में दाखिल होता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद सेना ने दर्जनभर से अधिक राउंड फायर करके वापस लौटने पर मजबूर कर दिया। इस संबंध में सैन्य अधिकारियों ने मीडिया को बताया, कि भारतीय सीमा पर घुसा ड्रोन सेना की गोलीबारी से बच निकला। आसमान में मंडराने के बाद ड्रोन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) की ओर वापस चला गया। यह दूसरी बार हुआ जबकि तीन दिनों के भीतर सीमा पार से ड्रोन गतिविधि देखी गई है, जिसके चलते भारतीय सेना को कड़े कदम उठाने पड़े हैं। यहां बताते चलें कि 27 फरवरी को भी इसी क्षेत्र में पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ हुई थी, जिस पर सेना ने कार्रवाई की थी। ऐसे में मौजूदा घटनाक्रम सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील माना जा रहा है क्योंकि ड्रोन का इस्तेमाल अक्सर हथियार या नशीले पदार्थ गिराने या फिर जासूसी करने के लिए किया जाता है। ड्रोन वाली घटना के बाद भारतीय सुरक्षा बलों ने संपूर्ण इलाके में सर्च अभियान शुरू कर दिया है। सर्च ऑपरेशन से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि उक्त ड्रोन ने कोई हथियार या प्रतिबंधित सामग्री तो भारतीय सीमा पर नहीं छोड़ी है। इसी के साथ ही पूरे पुंछ सेक्टर में चौकसी बढ़ा दी गई है और सीमा पर भी निगरानी कड़ी कर दी गई है। इस घटना को गंभीर इसलिए भी माना जा रहा है, क्योंकि एक तरफतो पाकिस्तान अफगानिस्तान पर हमले कर रहा और जंग के हालात पैदा किए हुए हैं, वहीं दूसरी ओर भारत में ड्रोन भेजकर एक नया मोर्चा खोलने का इरादा जता रहा है।

यूएस-इजराइल हमले में मिडिल ईस्ट में फंसे भारतीय को बचाए सरकार

-कांग्रेस ने की सरकार से इस युद्ध को खत्म करने में मदद की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की है। कांग्रेस ने भारत सरकार से इस युद्ध को तुरंत खत्म करने और पश्चिम एशिया में सभी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद की अपील की है। बता दें इस भयानक युद्ध के बीच कई भारतीय मिडिल ईस्ट में फंसे हुए हैं। हालांकि भारत सरकार की ओर से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हफ्तों तक राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के साथ डिप्लोमेसी और बातचीत का दिखावा करते रहे हैं। इजराइली पीएम नेतन्याहू और अमेरिका में कट्टरपंथियों के उकसाने पर उन्होंने शासन बदलने के मकसद से एक सैन्य हमला शुरू किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस हमले की निंदा करती है और सरकार से इस वॉर को खत्म करने में मदद करने की अपील करती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मिडिल ईस्ट संकट पर कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ती दुश्मनी चिंताजनक है। पूरे मिडिल ईस्ट में हर भारतीय नागरिक की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस बीच कांग्रेस ने पीएम मोदी के इजराइल दौरे को शर्मनाक और गलत समय पर बताया और कहा कि इससे मिलिट्री बढ़ोतरी को राजनीतिक समर्थन मिलने का एहसास होता है। रमेश ने कहा कि मोदी के इजराइल दौरे का जश्न मनाने के दो दिन बाद, इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर मिलकर हमला शुरू कर दिया।

बिहार की हार से सीख लेकर कांग्रेस और डीएमके में बनी सहमति, सीट बंटवारे का फॉर्मूला तैयार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की सियासत में विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही गठबंधन की तस्वीर अब साफ होने लगी है। राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और कांग्रेस के बीच लंबे समय से चला आ रहा सीटों का गतिरोध खत्म होता दिख रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के कड़वे अनुभवों से बड़ी सीख ली है। बिहार में महागठबंधन के बीच अंतिम समय तक सीट बंटवारा न हो पाने और कई सीटों पर फ्रेंडली फाइट के कारण मिली करारी हार को देखते हुए, इस बार तमिलनाडु में कांग्रेस ने व्यावहारिक रुख अपनाया है।

डीएमके प्रमुख और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गठबंधन को एकजुट रखने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में डीएमके ने दो मुस्लिम दलों के साथ समझौता पक्का कर लिया है। पार्टी मुख्यालय में हुई घोषणा के अनुसार, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और मनिधनेया मक्कल कत्ची (एमएमके) को दो-दो विधानसभा

सीटें आवंटित की गई हैं। आईयूएमएल अपने पारंपरिक 'सीढ़ी' चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेगी, जबकि एमएमके के उम्मीदवार डीएमके के 'राइजिंग सन' सिंबल पर मैदान में उतरेंगे। यह कदम अल्पसंख्यक मतदाताओं को एक स्पष्ट संदेश देने की कोशिश माना जा रहा है। कांग्रेस के साथ भी बातचीत अब सकारात्मक मोड़ पर पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस शुरुआत में 35 सीटों की मांग कर रही थी, लेकिन अब 27 या 28 सीटों और राज्यसभा की एक अतिरिक्त सीट पर समझौता होने की प्रबल संभावना है। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुन्थगई ने संकेत दिए हैं कि डीएमके के साथ बातचीत सौहार्द्रपूर्ण रही है और कांग्रेस का गठबंधन अटूट है। पार्टी ने उन अटकलों को भी खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि कांग्रेस किसी अन्य दल (जैसे टीवीके) के संपर्क में है।

दूसरी तरफ, विपक्षी खेमे यानी एनडीए में फिलहाल अनिश्चितता का माहौल है। ओ. पन्नीरसेल्वम के डीएमके के पाले में जाने की चर्चाओं के बीच एनडीए में अभी तक सीट शेयरिंग को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं हो पाया है, जिससे वे फिलहाल दोराहे पर खड़े नजर आ रहे हैं। डीएमके की योजना है कि 9 मार्च को तिरुचिरापल्ली में होने वाले पार्टी के राज्य स्तरीय सम्मेलन से पहले सभी सहयोगियों के साथ सीटों का बंटवारा अंतिम रूप ले ले। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री स्टालिन सोमवार 2 मार्च 2026 को राज्यसभा सीटों और उम्मीदवारों की औपचारिक घोषणा कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडणकर दिल्ली रवाना हो चुके हैं, जहां हाईकमान की मुहर लगते ही इस समझौते का औपचारिक ऐलान कर दिया जाएगा। विदुथलाई चिरुथैगल कत्ची (वीसीके) जैसे अन्य छोटे दलों के साथ भी सोमवार को चर्चा होनी है। एमके स्टालिन की रणनीति साफ है-सहयोगी दलों को उनकी जमीनी ताकत के हिसाब से सीटें देकर गठबंधन को नियंत्रित रखना और चुनाव प्रचार में किसी भी प्रकार की देरी या असमंजस से बचना। अब देखना यह होगा कि बिहार की गलतियों से सबक लेकर बनाया गया यह मजबूत गठबंधन आगामी चुनाव में कितनी सफलता हासिल करता है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने ताजा घटनाओं पर जताई चिंता, दोनों पक्ष संयम बरतें

भारत ने जारी की एडवाइजरी भारतीय सतर्क रहें और मिशनों के संपर्क में रहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने मिडिल ईस्ट में हालात पर चिंता जताते हुए कहा है कि सभी देशों की संप्रभुता और अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि ताजा घटनाओं से बहुत चिंतित हैं। हम दोनों पक्षों को संयम बरतने, नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की गुजारिश करते हैं। सभी पक्षों को डायलॉग और डिप्लोमेसी का रास्ता अख्तियार करना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बयान में कहा गया है कि इस क्षेत्र में हमारे मिशन सभी भारतीय नागरिकों के साथ हैं और एडवाइजरी जारी कर कहा गया है कि वे सतर्क रहें, मिशनों के संपर्क में रहें और स्थानीय सुरक्षा गाइडलाइंस का पालन करें। पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए भारत ने ना केवल ईरान और इजराइल बल्कि दूसरे देशों के लिए भी सलाह जारी की है। बता दें ईरान को लेकर भारत सरकार पहले से ही तीन एडवाइजरी जारी कर चुकी है। इजराइल में कुल दस हजार भारतीय रहते हैं जिनमें से चार हजार छात्र हैं।

भारतीय दूतावास ने कतर में रहने वाले सभी भारतीयों से उचित सावधानी बरतने के लिए कहा

है। सैन्य स्थानों से दूर रहने और घरों के अंदर रहने को कहा है। यूएई और फलस्तीन स्थित भारतीय मिशनों ने अडवाइजरी जारी कर भारतीयों से सावधान रहने को कहा है। माना जा रहा है कि हालात अगर बिगड़ते हैं तो भारत अपने नागरिकों को निकालने के लिए इवैक्युएशन ड्राइव की अगुवाई कर सकता है। भारत के लिए पश्चिम एशिया क्षेत्र अहम है। इस क्षेत्र में क़रीब 9-10 मिलियन भारतीय रहते हैं। यही वजह है कि दो दिन पहले ही इजराइल में पीएम मोदी ने कहा था कि मध्य एशिया की स्थिरता और शांति से भारत के हित जुड़े हैं। उन्होंने डायलॉग और डिप्लोमेसी से सभी विवादों को हल करने के लिए कहा था।

साइबर सेल की बड़ी कार्रवाई: 11 राज्यों में छापेमारी कर 27 जालसाज गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम जिला साइबर सेल ने डिजिटल ठगी करने वाले गिरोहों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी देशव्यापी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने एक सप्ताह तक चले विशेष अभियान के तहत देश के 11 राज्यों में एक साथ छापेमारी की, जिसमें कुल 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई के माध्यम से पुलिस ने करीब 10 बड़े मामलों का खुलासा किया है, जिनमें मासूम लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की गई थी।

जांच में सामने आया है कि इन मामलों में सीधे तौर पर 1.50 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की गई है। हालांकि, जब पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के बैंक खातों और वित्तीय दस्तावेजों की गहराई से पड़ताल की, तो उसमें करीब 13.91 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन का पता चला। पुलिस को अंदेशा है कि यह राशि देश के अलग-अलग हिस्सों में की गई अन्य साइबर ठगी से जुड़ी हो सकती है। जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने इस सफलता की जानकारी साझा करते हुए बताया कि साइबर सेल की टीम लंबे समय से ठगी की शिकायतों पर तकनीकी जांच कर रही थी। डेटा विश्लेषण और डिजिटल फुटप्रिंट्स के आधार पर आरोपियों की लोकेशन ट्रैक की गई। इसके बाद दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में एक साथ दबिश देकर इन जालसाजों को दबोचा गया।

पकड़े गए आरोपियों का जाल काफी फैला हुआ था। ये लोग मुख्य रूप से निवेश के नाम पर झांसा देने, मोबाइल में खतरनाक एपीके फाइल इंस्टॉल करवाकर डेटा चोरी करने, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के जरिए फर्जी स्कीम चलाने और क्रेडिट कार्ड अपडेट करने के नाम पर ठगी करते थे। पुलिस ने इन अपराधियों के पास से अपराध में इस्तेमाल होने वाली भारी सामग्री भी बरामद की है। बरामद सामान में 25 मोबाइल फोन, 28 सिम कार्ड, 20 बैंकिंग कार्ड (डेबिट/क्रेडिट), एक पीओएस मशीन, एक बाइक और भारी मात्रा में बैंक दस्तावेज व चेकबुक किट शामिल हैं। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य नामों और ठगी गई रकम की बरामदगी की जा सके।

गोकुल में छड़ीमार होली: गोपियों ने पुलिस ही नहीं विदेशी सैलानियों पर भी बरसाईं छड़ियां

-दुल्हन की तरह सजी महिलाएं, श्रीकृष्ण-बलराम के बाल रूप पर खेला रंग

मथुरा (एजेंसी)। ब्रज के गोकुल में रविवार को छड़ीमार होली की धूम रही, जिसमें महिलाएं दुल्हन की तरह सज-संवरकर भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के बाल स्वरूप पर रंग और छड़ियों की वर्षा करती दिखाई दीं। इस बार गोपियों ने न केवल स्थानीय लोगों बल्कि बड़ी संख्या में आए विदेशी सैलानियों और पुलिसकर्मियों को भी दनादन छड़ियों की झड़ी से नवाज़ा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बलदेव विधानसभा के बीजेपी विधायक पूरन प्रकाश ने इस मौके पर राधा-कृष्ण बने कलाकारों के साथ मंच पर डांस कर कार्यक्रम में भाग लिया। इससे पहले दोपहर 12:30 बजे नंदभवन से भगवान श्रीकृष्ण का डोला निकला, जिसमें कन्हैया और बलराम के बाल रूप सवार थे। लोग डोले के आगे-पीछे रंग-गुलाल उड़ाते हुए मस्ती में चलते दिखाई दिए। रास्ते में यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया, फूल, रंग और अबीर से डोले को सजाया गया। चौराहों पर बड़े स्टेज तैयार किए गए, जिन पर महिलाएं सज-धजकर डांस करती रहीं। गलियों में होली के गीत और 'जय राधे, जय कृष्णा' के भजन गूंजते रहे।

छड़ीमार होली की परंपरा

गोकुल में छड़ीमार होली का प्रचलन सदियों पुराना है। ऐसा माना जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने यहीं बाल लीलाएं की थीं। इस खेल में उपयोग की जाने वाली छड़ियों पर गोटेदार कपड़ा लपेटा जाता है, जिससे चोट नहीं लगती। बरसाना और नंदगांव की लट्ठमार होली की तरह गोकुल की इस परंपरा में भी महिलाएं प्रमुख भूमिका निभाती हैं। इस बार की होली में नंदगांव और बरसाना के आयोजनों की याद भी ताजा हो गई थी, जहां राधारानी की सखियों और श्रीकृष्ण के सखाओं के बीच रंगीन छड़ीमार का खेल हुआ।

गोकुल में छड़ीमार होली देखने आए लोगों ने इसे अत्यंत रोचक और जीवंत उत्सव बताया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली, लेकिन उत्सव की अद्भुत झलक ने इसे और भी यादगार बना दिया।

भारतीय क्रिकेट टीम के धुरंधर संजू सैमसन ने भारत को टी 20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचाया

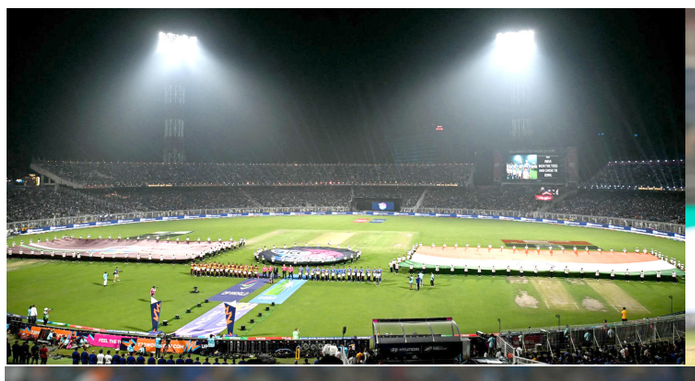

भारत टी-20 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल के सुपर-8 राउंड में रविवार को ईडेन गॉर्डन में भारत और विंडीज के बीच एक तरह से क्वार्टर फाइनल में तब्दील हुए मुकाबले में टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से पीट कर मेगा इवेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। विंडीज से सेमीफाइनल के टिकट के लिए मिले 196 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जहां खराब शुरुआत के बाद टीम इंडिया के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे, वहीं पिछले ज्यादातर मैचों में नाकाम रहे संजू सैमसन (नाबाद 97 रन, 50 गेंद, 12 चौके, 4 छक्के) ने ऐतिहासिक पारी से इस जीत को पूरी तरह से 'संजू के सुपर शो' में तब्दील कर दिया. और करोडों भारतीय फैंस 'संजू के इस सुपर शो' को ताउम्र नहीं भूल पाएंगे. भले ही संजू सिर्फ 3 रन से शतक से चूक गए, लेकिन वास्तव में अगर एक बार को यह कहा जाए कि संजू ने अपने पूरे टी20 करियर की सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ पारी खेल दी, तो एक बार को गलत नहीं ही होगा. यह पूरी तरह से सिर्फ और सिर्फ संजू का ही असर था कि एक समय दबाव में दिख रहे भारत ने 19.2 ओवरों में 5 विकेट और 4 गेंद बाकी रहते एक समय मुश्किल दिख जीत को सहजता से कब्जाते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. 'प्लेयर ऑफ द मैच' के लिए संजू को दूर-दूर तक चुनौती देने वाला कोई नहीं था। ईडन गॉर्डन के इतिहास में मिले सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया को वैसी शुरुआत नहीं मिली जैसी दरकार थी. भारत ने पावर प्ले-यानी शुरुआती 6 ओवरों में 53 रन जरूर बनाए, लेकिन दोनों टॉप ऑर्डर के तूफानी बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा (10) और ईशान किशन (10) को सस्ते में गवा दिया. समस्या भारत की तब और गहरा गई, जब कप्तान सूर्यकुमार यादव (18 रन, 16 गेंद, 1 चौका, 1 छक्का) भी सुपर तेवर दिखाने के बाद जल्द ही शांत पड़ गए, लेकिन अगर इस स्तर यानी 10.2 ओवरों के बाद भी भारत का स्कोर 3 विकेट पर 99 रन हुआ, तो यहां प्रति ओवर करीब 9.30 रन से ऊपर की दर के लिए 'संजू का सुपर शो' की सबसे बड़ी वजह था. तब सैमसन 28 गेंदों पर 54 रन बनाकर पिच पर टिके हुए थे. और इस पारी की यूएसपी (खासियत) यही रही कि संजू ने लेफ्टी स्पिनर अकील हुसैन के तीसरे ओवर में जो लगातार दो छक्के जड़कर जो 'सुर' लगाया था, उसे इस बल्लेबाज ने बिना हालात और दबाव से विचलित हुए आखिर तक नहीं छोड़ा. और संजू इस ऐतिहासिक पारी से टीम इंडिया के सेमीफाइनल की सबसे बड़ी और संभवतः इकलौती वजह बन गए। भारत की पारीः

खराब शुरुआत, मौके पर चूके अभिषेक, पावर-प्ले टांय-टांय फिस्स!

भारत के सामने यह चैलेंज पहले से ही था, तो विंडीज के 196 के टारगेट ने इसका स्तर और ऊंचा कर दिया. अच्छी शुरुआत का चैलेंज, पावर-प्ले यानी शुरुआती 6 ओवरों को भुनाने का चैलेंज. जिम्मेदारी संजू सैमसन ने एक छोर से संभाली, जब अकील हुसैन के फेंके तीसरे ओवर में सैमसन ने फाइनल लेग के ऊपर से स्लॉग-स्वीप से तो बेहतरीन छक्के जड़े, लेकिन इसी ओवर की आखिरी गेंद पर अकील ने अभिषेक को चलता कर भारत की शुरुआत को बिगाड़ दिया. करो-मरो की जंग में शर्मा एक शर्मनाक शॉट खेलकर चलते बने, तो एक ही ओवर बाद होल्डर ने ईशान किशन को सस्ते में चलता कर भारत के पावर-प्ले बल्ब फ्यूज कर दिया।

विंडीज बैटिंगः

स्लॉग ओवरों (आखिरी 5) में फिर नाकाम हुए भारतीय

यह एरिया मैच से पहले ही चिंता का विषय था. और विंडीज ने एक बार फिर से भारतीय बॉलरों की आखिरी ओवरों में कलई खोल दी. शुरुआत अर्शदीप के फेंके 16वें ओवर से हुई, जिसमें रोवमैन पोवेल ने लेफ्टी पेसर की जमकर कुटाई की, तो विंडीज ने इस ओवर से 24 रन बटोर लिए. इसके बाद से कुटाई का स्तर ऐसा तो नहीं ही हुआ, लेकिन आखिरी पांच ओवरों में भारतीय बॉलर विंडीज का कोई विकेट नहीं ले सके. बुमराह का फेंका पारी का आखिरी ओवर 14 रन के साथ खत्म हुआ, स्लॉग ओवरों में भारतीय अटैक औंधे मुंह जमी पर पड़ा बुरी तरह कराह रहा था. आखिरी 30 गेंदों में भारतीय बॉलरों ने पूरे 70 रन लुटाए. यानी 14 रन प्रति ओवर, लेकिन विकेट एक भी हासिल नहीं कर सके. नतीजा यह रहा कि विंडीज ने पारी खत्म होते-होते 20 ओवरों में 4 विकेट पर स्कोरबोर्ड पर 195 का लड़ने लायक स्कोर टांग दिया।

दादरा में निःशुल्क मेडिकल कैंप का हुआ आयोजनः बड़ी संख्या में लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 01 मार्च। दादरा के पाली कॉर्नर बिल्डिंग, मह्यावंशी रोड पर आयोजित निःशुल्क मेडिकल कैंप आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दूसरे वर्ष आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में दादरा क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। कैंप का आयोजन सर्वोत्तम पॉलिमर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा CSR के तहत के.के. दमनी चैरिटेबल फाउंडेशन, मुंबई के माध्यम से किया गया था। शिविर में मुफ्त ब्लड टेस्ट, CBC, RBS, यूरिन, ब्लड ग्रुप, SGPT, SGOT सहित विभिन्न जांचें की गई और जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाईयां भी वितरित की गई। इस अवसर पर डॉ. विमल पटेल (फैमिली फिजिशियन एवं चिल्ड्रन स्पेशलिस्ट), डॉ. मेहुल पटेल जनरल फिजिशियन और डॉ. भाविनी पटेल स्त्री रोग एवं प्रसूति विशेषज्ञ डॉ. मौसमी जयंती पटेल डेंटिस्ट ने अपनी अहम भूमिका निभाई और मरीजों को परामर्श एवं उपचार प्रदान किया। इस अवसर पर समाज सेवा मनीष सिंह और दीपक शुक्ला ने कैंपर उपस्थित रहकर अपनी सेवा दी और आयोजकों ने बताया कि समाज सेवा के उद्देश्य से शुरू किया गया। यह कैंप आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

किशोरों में बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्या अत्यंत गंभीर

(विश्व किशोर मानसिक स्वास्थ्य दिवस विशेष 02 मार्च 2026)

लेखक - डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल / व्हॉट्सप क्र.082374 17041
prit00786@gmail.com

आज के आधुनिक युग में मनुष्य जिस प्रकार से खुद को उन्नत महसूस कर रहा है, उससे ज्यादा खुद को समस्याओं में घिरा पा रहा है, इसमें विशेष है मानसिक स्वास्थ्य समस्या। हर उम्र के लोग कभी न कभी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से रूबरू होते है या हुए है, सुख-शांति बस नाम की नजर आती हैं। ऐसा लगता है, जैसे हर कोई किसी प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए जी रहा हैं। आजकल किशोरवयीन बच्चों में भी मानसिक स्वास्थ्य समस्या का विषय बेहद घातक स्तर पर पहुंच गया हैं। किशोरों में लगातार बढ़ता आपराधिक ग्राफ भी गंभीर नजर आता है, इस उम्र के बच्चों में गुस्सा, चिड़िचड़ापन, तनाव, द्वेष, सहनशीलता की कमी, सोशल मीडिया की लत, नशाखोरी जैसी समस्या तेजी से बढ़ी हैं। हम अक्सर किशोरों द्वारा किये जानेवाले घटनाओं और कृत्यों को जानकर दंग रह जाते है कि, अभिभावकों ने केवल डांटा तो किशोरवयीन बच्चे आत्महत्या या खुद को हानि पहुँचाते, घर से भाग जाना या अनुचित कदम उठाने जैसे अपराध करते है, संगीन अपराधों के लिए बड़े अपराधियों जैसी गैंग बनाकर घूमते हैं। चोरी, डकैती, तस्करी, बलात्कार, खून, जानलेवा हमला करने जैसे गंभीर गुनाहों में भी किशोरवयीन बच्चे लिप्त होने की घटनाएं हैं। स्कूली बच्चों द्वारा अपने शिक्षक पर भी जानलेवा हमले करने की घटनाएं अक्सर सामने आती हैं। कम उम्र में ही गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड का चलन, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग, नशाखोरी, झूठा दिखावा करना, बात-बात पर झूठ बोलना, संस्कारों की कमी, नैतिकताहीन, चरित्रहीनता, अश्लीलता, फूहड़ता ने समाज में जहर घोल दिया हैं। लोगों को आकर्षित करने के लिए मर्यादाओं को लांघकर बेशर्मी का चोला पहनकर अनेक युवा जिंदगी बर्बाद कर चुके हैं।

दूसरी ओर अभिभावकों का अपने बच्चों पर नियंत्रण न होना, बच्चों पर अँधा भरोसा, बच्चों को समय न देना, बच्चों को पोषक वातावरण न देना, बच्चों से बहुत ज्यादा उम्मीदें रखना, प्रतियोगिता का माहौल बनाना, बच्चों पर दबाव डालना या बच्चों की भावनाओं को अभिभावकों द्वारा न समझना, बुरी संगत, बच्चों का जीवन में बुरी बातों या घटनाओं का विरोध करने से डरना, किसी खौफ के साये में जीना भी आजकल किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य की वजह हैं। किशोरों में बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्या के प्रति जागरूकता हेतु हर साल 2 मार्च को ₹विश्व किशोर मानसिक स्वास्थ्य दिवस₹ मनाया जाता है, यह दिवस जागरूकता बढ़ाने, स्टिग्मा को कम करने, चिंता और तनाव, अवसाद जैसी किशोरवयीन स्वास्थ्य चुनौतियों के बारे में खुली बातचीत को बढ़ावा देने और साथ ही स्वःदेखभाल नीतियों पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर देता हैं। इस साल 2026 की थीम ₹किशोरवयीन विद्यार्थियों को उनके स्कूलों में स्वास्थ्यवर्धक कल्याणकारी उपक्रम हेतु नेतृत्व करने के लिए मजबूत बनाना₹ यह हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार, किशोरवयीन बच्चे शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक बदलावों की वजह से मानसिक स्वास्थ्य समस्या के शिकार हो जाते है, जिसमें गरीबी, गलत व्यवहार या हिंसा शामिल हैं। इन्हें ऐसी समस्याओं से बचाकर बेहतर जीवन के लिए आवश्यक पोषक वातावरण निर्माण कर देना बेहद जरुरी हैं। ऐसा अनुमान है कि, दुनिया भर में, 10-19 साल की उम्र के हर सात में से एक बच्चा मानसिक स्वास्थ्य समस्या का शिकार है, यह दुनिया भर में होने वाली कुल बीमारियों का 15 प्रतिशत है, फिर भी इन समस्या को ज़्यादातर पहचाना नहीं जाता और उनका इलाज नहीं किया जाता। ज़िंदगी भर होने वाली सभी मानसिक बीमारियों में से आधी 14 साल की उम्र में शुरू हो जाती हैं। ऐसे मानसिक समस्या वाले बच्चे सामाजिक बहिष्कार, भेदभाव, कलंक पढ़ाई में मुश्किल, जोखिम लेने का व्यवहार, शारीरिक बीमारी और मानवाधिकारों के उल्लंघन के शिकार होते हैं। व्यवहार संबंधी मानसिक विकार बड़े किशोरों की तुलना में छोटे किशोरों में ज़्यादा आम हैं। किशोरवयीन बच्चों में बीमारी और विकलांगता के मुख्य कारण डिप्रेशन, एंग्जायटी और बिहेवियरल डिसऑर्डर हैं। 15-29 साल के बच्चों में आत्महत्या मौत का तीसरा सबसे बड़ा कारण है। बच्चों को आवश्यक स्वास्थ्य उपचार सुविधा न मिलने के कारण उनके बड़े होने पर उन्हें समाज, परिवार में योग्य स्थान प्राप्त नहीं मिल पाता, जिसके कारण उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए अनेक संघर्षों का सामना करना पड़ता हैं। अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर, कंडक्ट डिसऑर्डर, बिहेवियरल डिसऑर्डर किशोरों की पढ़ाई पर असर डालकर क्रिमिनल बिहेवियर का खतरा बढ़ा सकते है, जो समस्त मानव समाज के लिए चिंता का विषय होता हैं।

आज के समय में किशोरवयीन बालकों में मानसिक स्वास्थ्य समस्या के लिए अभिभावक सबसे ज्यादा दोषी हैं। बच्चे अभिभावकों की जिम्मेदारी है और अभिभावक यही बात भूल जाते हैं। बच्चों के लाड-प्यार या जिद पूरी करने से ही जिम्मेदारी पूरी नहीं होती हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक जरूरतों को समझना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। बच्चों के लिए आवश्यक और उनकी जिद के बीच के अंतर को समझना चाहिए। अक्सर अभिभावक कहते है कि हम बच्चों के लिए पैसा कमाने में व्यस्त रहते है, लेकिन दुनिया में हर जरुरत पैसे से नहीं खरीद सकते या हर जरुरत को पैसे से पूरा नहीं किया जा सकता। बच्चों को सही समय पर उनका साथ देना जरुरी होता है, बच्चों के साथ दोस्त बनकर थोड़ा ही सही लेकिन समय बिताना भी जरुरी होता हैं। अपने बच्चे है इसलिए उनकी गलतियों पर पर्दा डालना या जिद करते है इसलिए उनकी नाजायज मांग भी पूरी करना तो सरासर गलत हैं। आज दुनिया भर में या हम जो समाज में अपराधी देखते है, शायद सही वक्त पर उन अपराधियों को उनके अभिभावकों ने अच्छी परवरिश, संस्कार और बेहतर पोषक वातावरण निर्माण कर दिया होता तो आज वे समाज के लिए नासूर न बने होते। रोजाना स्वस्थ नींद, नियमित रूप से व्यायाम, शारीरिक और मानसिक कसरत वाले खेल खेलना, समस्या का समाधान करने और पारस्परिक कौशल विकसित करना और भावनाओं को प्रबंधित करना सीखना जरुरी हैं। घर-परिवार, स्कूल और व्यापक समुदाय के भीतर एक सुरक्षात्मक और सहायक वातावरण महत्वपूर्ण हैं।

अध्ययन से पता चला है कि स्कूल जाने वाले बच्चों में मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम 23.33 प्रतिशत है। पढ़ाई का दबाव, सोशल मीडिया का ज़्यादा इस्तेमाल और परिवार का टूटना तनाव में काफी योगदान देते हैं, जिसमें 43 प्रतिशत विद्यार्थी मूड स्विंग्स और 11 प्रतिशत चिंता की बात करते हैं। 10 प्रतिशत से भी कम युवा भारतीयों के पास औपचारिक मानसिक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच हैं। मानसिक स्वास्थ्य विकार में अधिकतम किशोर मदद लेने से झिझकते हैं। साइबरबुलिंग, सोशल तुलना और इंटरनेट की लत बढ़ रही है, 15-19 साल के बच्चों में शराब का सेवन काफी हैं। 13-17 साल के लगभग 7 प्रतिशत किशोरों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विकार होते हैं, और युवाओं में मौत का सबसे बड़ा कारण आत्महत्या हैं। बच्चों को भावनात्मक रूप से मजबूत करने के लिए और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता हेतु अभिभावकों ने बच्चों के साथ समय बिताना बहुत जरुरी हैं। शारीरिक गतिविधियां और मानसिक स्वास्थ्य के बीच एक पॉजिटिव रिश्ता होता है, खेलकूद करने पर तनाव कम होने लगता है, इसलिए अभिभावकों ने अपने बच्चों को साथ लेकर बाहर साइकिलिंग, स्केटिंग, स्विमिंग, हाइकिंग, या कोई भी मैदानी खेल खेलने ले जाना चाहिए। बच्चों के साथ हंसी मजाक करना, उन्हें सामाजिक कार्यों में भाग लेने के लिए स्वयंसेवक के रूप में प्रोत्साहित करना, साथ में खाना, नाश्ता करना, दिनभर के गतिविधियों पर चर्चा करना, हेल्दी हॉबी विकसित करना सिखाए, व्यायाम योगा का महत्त्व समझना, अच्छे संस्कार, भेदभाव को भूलकर मानवता का सन्देश देना, प्रकृति और देशसेवा को प्रथम स्थान देना जैसी बातें बच्चों को समझाना अभिभावकों, शिक्षकों का परम कर्तव्य हैं। बच्चों की खूबियों या फिर गलतियों को कभी नजरअंदाज न करें, उन्हें सही समय पर सही दिशा देना जरुरी होता हैं। इस प्रकार बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होंगे और बुरी आदतों से दूर रहेंगे, इससे उनमे मानसिक स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न होने की संभावना नहीं होगी।

होलीः आध्यात्मिक चेतना एवं वैज्ञानिक दृष्टि का सांस्कृतिक उत्सव

ललित गर्ग

होली का मूल प्रेरक प्रसंग प्रह्लाद और होलिका की कथा से जुड़ा है। यह कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि गहन प्रतीकात्मक संदेश है। प्रह्लाद अटूट श्रद्धा और सत्यनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि होलिका अहंकार और दुराग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। होलिका-दहन हमें यह सिखाता है कि अंततः विजय सत्य की होती है और अहंकार की ज्वाला स्वयं को ही भस्म कर देती है। जब हम होलिका की अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो उसका वास्तविक अर्थ बाहरी लकड़ियों को जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और अहं को दग्ध करना है। यदि यह आंतरिक शुद्धि नहीं हुई, तो होली केवल एक सामाजिक आयोजन बनकर रह जाएगी।

होली केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की सजीव अभिव्यक्ति है। यह वह पर्व है जो मनुष्य को उसके भीतर झाँकने का अवसर देता है और याद दिलाता है कि जीवन का वास्तविक सौंदर्य बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता में निहित है। समय के प्रवाह में होली के स्वरूप में अनेक परिवर्तन आए हैं। कहीं यह उत्सव उल्लास का माध्यम बना, तो कहीं उच्छृंखलता का पर्याय भी दिखाई देने लगा। छेड़खानी, मादक पदार्थों का सेवन, मारपीट और मयार्दा का उल्लंघन जैसी प्रवृत्तियां इस पावन पर्व की आत्मा के विपरीत हैं। वस्तुतः सही अर्थों में होली का अर्थ शालीनता का अतिक्रमण नहीं, बल्कि आंतरिक विकारों का दहन और संबंधों का पुनर्जीवन है। आवश्यकता इस बात की है कि हम होली के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आयामों को समझें और समसामयिक संदर्भों में उसे एक नई गरिमा और जीवंतता प्रदान करें।

होली का मूल प्रेरक प्रसंग प्रह्लाद और होलिका की कथा से जुड़ा है। यह कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि गहन प्रतीकात्मक संदेश है। प्रह्लाद अटूट श्रद्धा और सत्यनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि होलिका अहंकार और दुराग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। होलिका-दहन हमें यह सिखाता है कि अंततः विजय सत्य की होती है और अहंकार की ज्वाला स्वयं को ही भस्म कर देती है। जब हम होलिका की अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो उसका वास्तविक अर्थ बाहरी लकड़ियों को जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और अहं को दग्ध करना है। यदि यह आंतरिक शुद्धि नहीं हुई, तो होली केवल एक सामाजिक आयोजन बनकर रह जाएगी। रंगों का आध्यात्मिक अर्थ भी अत्यंत गहरा है। भारतीय संस्कृति में प्रत्येक रंग का अपना भाव है। लाल ऊर्जा और प्रेम का प्रतीक है, पीला ज्ञान और पवित्रता का, हरा जीवन और समृद्धि का, नीला अनंत आकाश और व्यापक चेतना का। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो मानो यह घोषणा करते हैं कि हम भेदभाव की सीमाएँ मिटाकर एकात्मता का अनुभव करेंगे। रंग हमें सिखाते हैं कि विविधता ही जीवन का सौंदर्य है। अलग-अलग रंग मिलकर ही इंद्रधनुष बनाते हैं; उसी प्रकार विभिन्न समुदायों, विचारों और संस्कृतियों का समन्वय ही समाज को समृद्ध बनाता है। यही होली का सांस्कृतिक संदेश है-विविधता में एकता।

वैज्ञानिक दृष्टि से भी होली का विशेष महत्व है। यह पर्व

फाल्गुन पूर्णिमा को आता है, जब शीत ऋतु का समापन और ग्रीष्म ऋतु का आरंभ होता है। यह संक्रमण काल शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के लिए संवेदनशील समय होता है। परंपरागत रूप से होलिका-दहन की अग्नि के समीप बैठना और उसकी ऊष्मा ग्रहण करना स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी माना गया। प्राचीन काल में टेसू के फूलों, चंदन, हल्दी और प्राकृतिक गुलाल से बने रंगों का प्रयोग किया जाता था, जिनमें औषधीय गुण होते थे। वे त्वचा को लाभ पहुँचाते थे और संक्रमण से भी रक्षा करते थे। आज रासायनिक रंगों के दुष्प्रभावों ने इस परंपरा को चुनौती दी है। अतः आवश्यक है कि हम प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल रंगों की ओर लौटें। विकसित भारत की संकल्पना में स्वच्छता, हरित जीवनशैली और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का जो आग्रह है, वह होली के पारंपरिक स्वरूप से पूर्णतः सामंजस्य रखता है। सांस्कृतिक दृष्टि से होली भारतीय समाज की सामूहिक चेतना का उत्सव है। यह वह अवसर है जब सामाजिक भेदभाव की दीवारें कमजोर पड़ती हैं और अपनत्व का रंग गहरा होता है। गाँवों में फाग-गीतों की गूंज, चौपालों पर हास-परिहास, नगरों में सांस्कृतिक आयोजन-ये सब सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं। होली का एक स्वरूप वह भी है, जब लोग पुराने मनमुटाव भुलाकर गले मिलते हैं और संबंधों को नया आयाम देते हैं। यह पर्व संवाद और समरसता का सेतु बन सकता है, बशर्ते हम इसकी मूल भावना को समझें।

आज के वैश्वीकरण के युग में नई पीढ़ी आधुनिकता को प्रगति का पर्याय मानती है। आधुनिकता स्वागतयोग्य है, किंतु यदि वह मूल्य-विस्मृति का कारण बन जाए, तो समाज का संतुलन बिगड़ सकता है। ह्नबुरा न मानो होली हैह्व का अर्थ किसी की गरिमा को ठेस पहुँचाना नहीं, बल्कि हँसी-खुशी के साथ आत्मीयता बाँटना है। महिलाओं के सम्मान, सार्वजनिक मयार्दा और सामाजिक उत्तरदायित्व का ध्यान रखते हुए होली मनाना ही सच्ची भारतीयता है। यदि उत्सव के नाम पर उच्छृंखलता बढ़े, तो वह हमारे सांस्कृतिक आत्मसम्मान के विपरीत है। नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि आनंद और अनुशासन एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सांस्कृतिक आत्मविश्वास की नई यात्रा पर अग्रसर है। ह्नया भारतह्व और ह्वविकसित भारतह्व की परिकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण से भी जुड़ी है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय परंपराओं, योग, आयुर्वेद और त्योहारों की बढ़ती प्रतिष्ठा इस परिवर्तन का संकेत है। होली जैसे पर्व विश्वभर में भारतीय संस्कृति की पहचान बन रहे हैं। यदि इन्हें शालीनता, पर्यावरण-संवेदनशीलता और आध्यात्मिक चेतना के साथ प्रस्तुत किया जाए, तो यह भारत की सॉफ्ट पावर को और सुदृढ़ कर सकते हैं। यह समय है जब हम अपने त्योहारों को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखकर उन्हें सांस्कृतिक कूटनीति और सामाजिक जागरण का माध्यम बनाएं।

नई विश्व-व्यवस्था में जहाँ तकनीकी प्रगति के साथ मानसिक तनाव और सामाजिक दूरी भी बढ़ रही है, वहाँ होली जैसे उत्सव मानवीय संबंधों को पुनर्स्थापित करने का अवसर देते हैं। डिजिटल युग में लोग आभासी संवाद में अधिक और प्रत्यक्ष संवाद में कम समय दे रहे हैं। होली हमें प्रत्यक्ष मिलन, स्नेह-स्पर्श और सामूहिक उल्लास की अनुभूति कराती है। यह सामाजिक एकाकीपन को दूर करने का भी माध्यम बन सकती है। यदि हम इस अवसर पर समाज के वंचित वर्गों, वृद्धजनों और जरूरतमंदों के साथ रंग साझा करें, तो यह उत्सव करुणा और सेवा की भावना को भी सशक्त करेगा। आवश्यकता है कि होली को नशामुक्त, पर्यावरण-अनुकूल और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाने का सामूहिक संकल्प लिया जाए। विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से होली के मूल संदेश को प्रचारित किया जा सकता है। फाग-गीत, लोकनृत्य, कवि-सम्मेलन और सामूहिक प्रार्थना जैसे आयोजनों से इस पर्व को नई दिशा दी जा सकती है। जब होली केवल रंगों तक सीमित न रहकर विचारों का उत्सव बनेगी, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होगा।

निश्चित तौर पर होली हमें यह सिखाती है कि बाहरी रंग क्षणिक हैं, किंतु आंतरिक प्रेम और सद्भाव शाश्वत हैं। यदि हम अपने भीतर के अहंकार को जला दें और हृदय में करुणा का रंग भर दें, तो हर दिन होली बन सकता है। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा जब आर्थिक उन्नति के साथ सांस्कृतिक चेतना भी समानांतर चले। आइए, इस होली पर हम यह संकल्प लें कि मयार्दा का उल्लंघन नहीं, मयार्दा का उत्सव मनाएँगे; विभाजन नहीं, विश्वास का रंग फैलाएँगे; और उच्छृंखलता नहीं, उत्साह और सद्भाव का संदेश देंगे। जब होली का रंग हमारे चरित्र और आचरण में उतर जाएगा, तभी यह पर्व वास्तव में सार्थक और प्रेरणादायी बन सकेगा। (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

किताब पर 'सुप्रीम' पाबंदी

सर्वोच्च अदालत ने एक किताब पर 'पूर्ण प्रतिबंध' (ब्लैंकेट बैन) का आदेश दिया है, जिसमें 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' का अध्याय संकलित था। किताब 8वीं कक्षा में सामाजिक विज्ञान के तौर पर पढ़ाई जानी थी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्था 'राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्' (एनसीईआरटी) ने छापी थी। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत समेत अन्य न्यायाधीश भी बहुत कुपित हुए और इस अध्याय को शामिल करने को 'गहरी साजिश' करार दिया। प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी थी कि एनसीईआरटी ने गोली चला दी है और न्यायपालिका लहूलुहान है। यह महज एक गलती नहीं है, बल्कि न्यायपालिका की गरिमा गिराने और युवाओं के भीतर जहर भरने की एक 'सोची-समझी साजिश' लगती है। संस्था के निदेशक ने गलती मानने के बजाय लिखित में इन विवादित अंशों का बचाव किया है। यह और भी गंभीर है। हम पता लगाएंगे। सिर तो कटेंगे, हम गहरी जांच करेंगे। हम न्यायपालिका सरीखे संवैधानिक संस्थान को इस तरह बदनाम नहीं होने देंगे। न्यायपालिका पर आज भी करोड़ों लोगों का विश्वास, भरोसा है। उसे टूटने कैसे दिया जा सकता है?' इसी के साथ न्यायिक पीठ ने किताब के फिजिकल या डिजिटल, हार्ड या सॉफ्ट और वेब पोर्टल आदि सभी प्रारूपों और संस्करणों को जब्त करने का आदेश दिया है। किताब की जो 38 प्रतियां बिक चुकी हैं, उन्हें भी हासिल कर जब्त किया जाए। न्यायिक पीठ ने एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी और केंद्रीय स्कूल शिक्षा सचिव को नोटिस जारी कराए हैं। वे 11 मार्च को अदालत में मौजूद रहेंगे। सर्वोच्च अदालत ने यहां तक कहा है कि क्यों न निदेशक के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए? अदालत ने जो आदेश दिया है, उसकी अनुपालना रपट दो सप्ताह में जमा करानी होगी। सामाजिक विज्ञान की ऐसी किताब और उसमें न्यायपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार की खबर सामने आई, तो कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने भी गुस्सा जताते हुए सवाल किया-यह हम क्या पढ़ा रहे हैं? कौन देख रहा है यह सब? ऐसी सामग्री का अनुमोदन कौन कर रहा है? किसी को तो जवाबदेह ठहराना चाहिए। प्रधानमंत्री की यह सख्त टिप्पणी, हालांकि, सूत्रों के हवाले से सार्वजनिक हुई है। बहरहाल किताब के विवादित अध्याय में लिखा गया है कि सर्वोच्च अदालत में करीब 81,000 मुकदमे लंबित हैं, जबकि देश के उच्च न्यायालयों में यह आंकड़ा करीब 62.40 लाख है। 2017-21 के दौरान भ्रष्टाचार की करीब 1600 शिकायतें दर्ज की गईं। प्रधान न्यायाधीश के दफ्तर को जो शिकायतें मिलीं, वे अलग हैं। 2016-25 के दौरान न्यायाधीशों के खिलाफ 8639 शिकायतें मिलीं, यह कानून मंत्रालय ने संसद में खुलासा किया है। क्या ये शिकायतें ही भ्रष्टाचार की प्रमाण हैं अथवा यह व्यवस्था का गंभीर सवाल है?

चिंतन-मनन

भगवान का सबसे प्रिय आहार अहंकार

अहंकार शब्द बना है अहं से, जिसका अर्थ है मैं। जब व्यक्ति में यह भावना आ जाती है कि जो हूं सो मैं, मुझसे बड़ा कोई दूसरा नहीं है तभी व्यक्ति का पतन शुरू हो जाता है। द्वापर युग में सहस्त्रबाहु नाम का राजा हुआ। इसे बल का इतना अभिमान हो गया कि शिव से ही युद्ध करने पहुंच गया। भगवान शिव ने सहस्त्रबाहु से कह दिया कि तुम्हारा पतन नजदीक आ गया है। परिणाम यह हुआ कि भगवान श्री कृष्ण से एक युद्ध में सहस्त्रबाहु को पराजित होना पड़ा।

रावण विद्वान होने के साथ ही महापराप्रमी था। उसे अपने बल और मायावी विद्या का अहंकार हो गया और उसने सीता का हरण कर लिया। इसका फल रावण को यह मिला कि रावण का वंश सहित सर्वनाश हो गया। अंत काल में उसका सिर भगवान राम के चरणों में पड़ा था। भगवान कहते हैं मेरा सबसे प्रिय आहार अहंकार है अर्थात अहंकारियों का सिर नीचा करना भगवान को सबसे अधिक पसंद है। अहंकारी का सिर किस प्रकार भगवान नीच करते हैं इस संदर्भ में एक कथा है कि, नदी किनारे एक सुन्दर सा फूल खिला। इसने नदी के एक पत्थर को देखकर उसकी हंसी उड़ायी कि, तुम किस प्रकार से नदी में पड़े रहते हो। नदी की धारा तुम्हें दिन रात ठोकर मारती रहती है। मुझे देखो मैं कितना सुन्दर हूं। हवाओं में झूमता रहता हूं। पत्थर फूल की बात को चुपचाप सुनता रहा।

पानी में घिसकर पत्थर ने शालिग्राम का रूप ले लिया था। किसी व्यक्ति ने उसे उठाकर अपने पूजा घर में स्थापित किया और उसकी पूजा की। पूजा के समय उस व्यक्ति ने फूल को शालिग्राम के चरणों में रख दिया। फूल ने जब खुद को पत्थर के चरणों में पाया तो उसे एहसास हो गया कि उसे अपने अहंकार की सजा मिली है। पत्थर ने अब भी कुछ नहीं कहा वह फूल की मनस्थिति को देखकर मुस्कुराता रहा।

इजरायल- ईरान का छद्म युद्ध से क्या पश्चिम एशिया में बढ़ेगा तनाव?

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम एशिया लंबे समय से अस्थिरता का केंद्र रहा है, और इस अस्थिरता की एक प्रमुख धुरी है इजरायल और ईरान के बीच चल रहा छद्म युद्ध। यह टकराव प्रत्यक्ष युद्ध के बजाय परोक्ष हमलों, साइबर हमलों, खुफिया अभियानों और क्षेत्रीय संगठनों के माध्यम से लड़ा जाता रहा है। अब आशंका जताई जा रही है कि यह छद्म संघर्ष खुली सैन्य भिड़ंत का रूप ले सकता है, जिससे पूरे पश्चिम एशिया में तनाव भड़क सकता है। दोनों देशों के बीच सीधे युद्ध भले ही कम देखने को मिला हो, लेकिन विभिन्न मोर्चों पर अप्रत्यक्ष टकराव लगातार जारी रहा है। यही कारण है कि क्षेत्र में किसी भी छोटी घटना के बड़े संघर्ष में बदलने की आशंका बनी रहती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह टकराव और बढ़ता है तो इसका असर पूरे पश्चिम एशिया पर पड़ सकता है। यह क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों का केंद्र है। इसलिए किसी भी बड़े सैन्य संघर्ष से अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

दरअसल, इजरायल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके बढ़ते क्षेत्रीय प्रभाव को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता रहा है। वहीं ईरान भी इजरायल की नीतियों और पश्चिमी देशों के साथ उसके गठजोड़ की खुलकर आलोचना करता रहा है। इस वैचारिक और सामरिक टकराव ने दोनों देशों के रिश्तों को लगातार तनावपूर्ण बनाए रखा है।

ईरान और इजरायल के बीच वैचारिक और रणनीतिक मतभेद गहरे हैं। इजरायल जहां ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता है, वहीं ईरान इजरायल की क्षेत्रीय नीतियों का विरोध करता है। सीरिया, लेबनान और गाजा जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों का प्रभाव टकराता रहा है। लेबनान में सक्रिय हिज्बुल्लाह और गाजा में हमास जैसे संगठनों को लेकर इजरायल और ईरान के बीच आरोप-प्रत्यारोप और हमलों का सिलसिला चलता रहा है।

हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच साइबर हमलों, ड्रोन हमलों और गुप्त अभियानों की खबरें सामने आती रही हैं। हालांकि दोनों पक्ष अक्सर प्रत्यक्ष जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करते, लेकिन क्षेत्रीय विशेषज्ञ इसे ₹शैडो वॉर₹ यानी छद्म युद्ध की संज्ञा देते हैं।

यदि यह संघर्ष खुलकर सामने आता है तो इसका प्रभाव केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। पश्चिम एशिया वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। किसी भी बड़े सैन्य टकराव से तेल की कीमतों में उछाल, वैश्विक बाजारों में अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक संकट पैदा हो सकता है। इसके अलावा अमेरिका और अन्य वैश्विक शक्तियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाएगी, जिससे संघर्ष का दायरा और व्यापक हो सकता है।

ऐसे समय में सबसे बड़ी आवश्यकता संयम और संवाद की है। क्षेत्र पहले ही सीरिया, यमन और गाजा जैसे संघर्षों से प्रभावित है। एक और बड़े युद्ध की संभावना पूरे क्षेत्र को दीर्घकालिक अस्थिरता की ओर धकेल सकती है।

इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से जारी छद्म युद्ध यदि भड़कता है, तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर भी गहरा पड़ेगा। कूटनीतिक प्रयासों और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के जरिए ही इस संभावित संकट को टाला जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था भी हो सकती है प्रभावित

आज की परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में किसी एक क्षेत्र में पैदा हुआ संकट केवल स्थानीय नहीं रहता, बल्कि उसका असर अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था तक फैल जाता है। वैश्विक राजनीति, व्यापार और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बढ़ते तनाव के बीच यह आशंका और भी प्रबल हो गई है कि यदि बड़े देशों के बीच टकराव या आर्थिक प्रतिबंधों की स्थिति बनती है तो उसका प्रभाव पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता और सुरक्षा ढांचे पर पड़ सकता है।

हाल के वर्षों में विश्व ने कई उदाहरण देखे हैं। जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा, खाद्यान्न और आपूर्ति श्रृंखला को गंभीर रूप से प्रभावित किया। यूरोप में गैस संकट गहराया और दुनिया भर में महंगाई बढ़ी। इसी तरह पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने तेल की कीमतों को अस्थिर बना दिया, जिससे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ा।

वैश्विक अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा अब आपूर्ति श्रृंखलाओं और तकनीकी सहयोग पर निर्भर है। यदि बड़े देशों के बीच व्यापारिक प्रतिबंध या आर्थिक प्रतिस्पर्धा तेज होती है, जैसा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच देखने को मिलता है, तो इसका असर पूरी दुनिया के बाजारों पर पड़ता है। चिप निर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी वैश्विक आर्थिक संतुलन को प्रभावित कर सकती है।

इसके साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था भी प्रभावित होती है। जब देशों के बीच अविश्वास बढ़ता है तो सैन्य खर्च बढने लगता है और कूटनीतिक संवाद कमजोर पड़ जाता है। कई देश अपने-अपने सैन्य गठबंधनों को मजबूत करने लगते हैं, जिससे वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव आता है। यह स्थिति लंबे समय में शांति और स्थिरता के लिए चुनौती बन सकती है।

ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और बहुपक्षीय संवाद की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। संयुक्त प्रयासों से ही आर्थिक स्थिरता बनाए रखी जा सकती है और सुरक्षा संबंधी तनाव को कम किया जा सकता है। दुनिया के बड़े देशों को यह समझना होगा कि प्रतिस्पर्धा के बावजूद सहयोग ही स्थायी विकास और वैश्विक शांति का आधार बन सकता है।

स्पष्ट है कि यदि वैश्विक तनाव बढ़ता है तो उसका प्रभाव केवल राजनीतिक या सैन्य क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था दोनों पर दूरगामी असर पड़ सकता है। इसलिए संतुलित कूटनीति, आर्थिक सहयोग और पारदर्शी संवाद ही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

नया बीज बिल- 2026: किसानों के हक और बीज की क्वालिटी के लिए नई दिशा

सुनील कुमार महला

भारत दुनिया के खेती-बाड़ी वाले देशों में से एक है। यह कहना गलत नहीं होगा कि देश की एक बड़ी आबादी अभी भी सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से खेती पर निर्भर है। अनुकूल मौसम, उपजाऊ मिट्टी और अलग-अलग भौगोलिक हालात कई तरह की फसलों की खेती के लिए सही हैं। गेहूं, चावल, गन्ना, दालें, तिलहन, कपास और मसाले जैसी फसलें न सिर्फ देश की खाने की जरूरतों को पूरा करती हैं, बल्कि एक्सपोर्ट के जरिए विदेशी मुद्रा कमाने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। खेती-बाड़ी का सेक्टर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और लाखों लोगों को रोजगार देता है। इसके अलावा, पशुपालन, डेयरी फार्मिंग, मछली पालन और बागवानी जैसे सहायक सेक्टर किसानों की इनकम बढ़ाने में मददगार साबित हो रहे हैं। समय-समय पर लागू की गई सरकारी योजनाएं और मॉडर्न टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल खेती को ज्यादा प्रोडक्टिव, फायदेमंद और टिकाऊ बनाने में मदद कर रहा है। इस तरह, खेती न सिर्फ रोजी-रोटी का जरिया है, बल्कि भारत के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक ताने-बाने का एक अहम हिस्सा भी है।

इस संदर्भ में, भारत सरकार एक नया सीड्स बिल, 2026 लाने की तैयारी कर रही है, जिसका मकसद एग्रीकल्चर सेक्टर में बड़े सुधार लाना है। यह पुराने सीड्स एक्ट, 1966 की जगह लेगा। अभी, सीड इंडस्ट्री में टेक्नोलॉजी में तरक्की और मल्टीनेशनल कंपनियों के बढ़ते असर की वजह से, पुराना कानून काफी नहीं माना जा रहा है। सरकार का मकसद किसानों को मजबूत कानूनी सुरक्षा देना, सीड मार्केट में ट्रांसपेरेंसी लाना और कॉर्पोरेट कंपनियों की मनमानी पर असरदार कंट्रोल करना है। कृषि मंत्रालय ने किसान संगठनों, सीड इंडस्ट्री और दूसरे स्टेकहोल्डर्स से इनपुट लेने के बाद इस बिल का ड्राफ्ट तैयार किया है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद, इसे पार्लियामेंट के मौजूदा सेशन में पेश करने और जल्द से जल्द पास करने का प्लान है।

नए कानून का बैकग्राउंड 2015-16 के बीटी कॉटन विवाद से जुड़ा है। जैसा कि पाठक जानते हैं, रॉयल्टी को लेकर अमेरिकी कंपनी मोनसेंटो और भारतीय सीड कंपनियों के बीच एक गंभीर विवाद खड़ा हो गया था। मोनसेंटो अपनी टेक्नोलॉजी के लिए बहुत ज्यादा रॉयल्टी ले रही थी, जिससे सीड की कीमतें बढ़ गईं और किसानों पर एक्स्ट्रा फाइनेंशियल बोझ पड़ा। भारत सरकार ने बीटी कॉटन के बीजों के लिए एक सीलिंग प्राइस और रॉयल्टी में कमी का ऑर्डर दिया। कंपनी ने इस फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चैलेंज किया, और मामला सुप्रीम कोर्ट चला गया। इस कानूनी लड़ाई से पता चला कि पुराना कानून मल्टीनेशनल कंपनियों की पावर को कंट्रोल करने और बीज की कीमतों और क्वालिटी पर सरकार के अधिकार को साफ करने में कमजोर था। असल में, इसी स्थिति ने नए सीड्स बिल का आधार बनाया।

प्रस्तावित सीड्स बिल 2026 सभी बीजों का सरकारी रजिस्ट्रेशन जरूरी बनाता है, और बिना सरकारी मंजूरी के कोई भी बीज बाजार में नहीं बेचा जाएगा। पुराने कानून के तहत, कंपनियां अपने बीजों को असली लेबल वाली कैटेगरी में बिना किसी सख्त रजिस्ट्रेशन जरूरत के बेच सकती थीं, लेकिन अब यह तरीका खत्म कर दिया जाएगा। नया कानून बीजों के लिए साफ क्वालिटी स्टैंडर्ड तय करेगा। अगर कोई बीज खराब निकलता है और फसलों को नुकसान पहुंचाता है, तो संबंधित कंपनी को किसानों को हजार्ना देना होगा। यह कहना सही होगा कि इससे किसानों को सीधे कानूनी अधिकार मिलेंगे।

इसके अलावा, बिल में एक डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम और एक नेशनल सीड रजिस्टर का भी प्रावधान है। इससे यह पक्का होगा कि हर बीज की वैरायटी, बनाने वाले और मालिक की जानकारी सरकारी रिकॉर्ड में सुरक्षित रहे। इससे नकली और घटिया बीजों की बिक्री रुकेगी और बीज की चोरी और गुमराह करने वाले दावों पर कंट्रोल होगा। बिना रजिस्टर्ड बीज बेचने, क्वालिटी स्टैंडर्ड का उल्लंघन करने या गलत जानकारी देने वाली कंपनियों के लिए सख्त सजा और भारी जुमार्ने का भी प्रावधान किया गया है। बीज की कीमत और क्वालिटी कंट्रोल में सरकार की भूमिका को और मजबूत और साफ किया जाएगा, जिससे बड़ी कंपनियाँ मनमानी रॉयल्टी या बहुत ज्यादा कीमत वसूल नहीं कर पाएँगी।

असल में, सरकार ने यह भी साफ किया है कि किसानों को पारंपरिक बीजों के लिए बिना किसी रजिस्ट्रेशन की जरूरत के अपने बीज बदलने और बेचने की आजादी बनी रहेगी। कुल मिलाकर, नया सीड्स बिल 2026 एक जरूरी और बड़ा कानूनी सुधार है जो किसानों को मुआवजा, बीज बाजार में ट्रांसपेरेंसी, क्वालिटी एश्योरेंस और कॉर्पोरेट कंट्रोल पर रोक का अधिकार पक्का करता है।

अच्छी खबर यह है कि नकली बीजों की वजह से पैसे का नुकसान और मानसिक तनाव झेल रहे किसानों को राहत देने के लिए कानूनी नियमों को मजबूत किया जा रहा है। ध्यान देने वाली बात यह है कि प्रस्तावित बिल में नकली बीज बेचने पर 30 लाख रुपये तक का जुमार्ना और तीन साल तक की जेल का प्रावधान है। इसके अलावा, सरकार बीजों की कीमत और क्वालिटी को रेगुलेट करेगी, जिससे कंपनियां किसानों से मनमानी कीमतें नहीं वसूल पाएंगी।

नकली बीजों के साथ-साथ नकली खाद की समस्या भी लंबे समय से है। बीज बनाने वालों की तरफ से दिए जाने वाले बीजों की क्वालिटी खराब होने से यह समस्या और बढ़ गई है। मौजूद डेटा के मुताबिक, पिछले पांच सालों में देश में 250,000 से ज्यादा किसान नकली बीजों की वजह से परेशान हुए हैं। फसल खराब होने से मेंटल स्ट्रेस बढ़ा है और सुसाइड की खबरें भी आई हैं। असल में, एक साल में फसल खराब होने का खामियाजा किसानों को अगले चार से पांच साल तक भुगतना पड़ता है। कर्ज का बोझ भी बढ़ जाता है। देश में शायद ही कोई ऐसा इलाका हो जहां नकली खाद और बीजों का धंधा न हो।

जैसा कि एक जाने-माने हिंदी अखबार ने लिखा, सरकार ने लोकसभा में माना है कि साल 2024-25 में टेस्ट किए गए 2.5 लाख सैंपल में से 32,525 बीज नकली पाए गए। मार्केट में कितनी बड़ी मात्रा में नकली खाद और बीज पहुंच रहे हैं, इसका सही डेटा मौजूद नहीं है। किसानों को तब पता चलता है जब उनकी फसल बर्बाद हो जाती है। हिंदी अखबार यह भी साफ-साफ कहता है, चाहे महाराष्ट्र में नकली कपास के बीजों से प्रभावित किसानों का मामला हो या आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान और मध्य प्रदेश में छापे के दौरान जब्त किए गए नकली खाद और बीजों का मामला हो-कमजोर कानून व्यवस्था हर जगह दोषियों को बचा रही है। हर साल हजारों परिवार इस समस्या से प्रभावित होते हैं, क्योंकि फसल खराब होने से कर्ज बढ़ जाता है और परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद हो जाते हैं।

यह भी चिंता की बात है कि हाल के सालों में छापे कम हुए हैं, और दोषियों को सजा भी काफी कम मिली है। असरदार मॉनिटरिंग की कमी के कारण, संबंधित एजेंसियां अक्सर लापरवाही के लिए किसानों को ही दोषी ठहराती हैं। यह बात कि नकली बीजों के बारे में सिर्फ एक-तिहाई शिकायतों पर ही कार्रवाई हुई है, इस स्थिति का सबूत है।

आखिरकार, बुनियादी सवाल किसानों की सुरक्षा और भरोसे का है। सिर्फ कानून बनाना काफी नहीं है, उन्हें सख्ती से लागू करना भी जरूरी है। किसानों का भरोसा तभी वापस लाया जा सकता है जब एक पारदर्शी जांच सिस्टम, तुरंत मुआवजा देने का सिस्टम और दोषियों के खिलाफ समय पर कार्रवाई हो। नहीं तो, एग्रीकल्चर सेक्टर और किसानों के सामने जो संकट है, उसे हल करना मुश्किल होगा।

संक्षिप्त समाचार

बेलारूस में दो पत्रकारों पर देशद्रोह के आरोप, मिली लंबी सजा

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस की एक अदालत ने दो स्वतंत्र पत्रकारों को देशद्रोह के आरोप में लंबी जेल की सजा सुनाई है। 65 वर्षीय उलादजिमिर यानुकेविच को 14 साल और उनके सहयोगी 44 वर्षीय आंद्रेई पाकालेनका को 12 साल की सजा दी गई। दोनों लोकप्रिय मीडिया संस्थान चला रहे थे। मुकदमा बंद कमरे में चला और आरोपों की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। पत्रकार संगठन का कहना है कि यह फैसला सरकार द्वारा अभिव्यक्ति की आजादी पर जारी सख्ती का हिस्सा है। संगठन के अनुसार, इस समय बेलारूस में 28 स्वतंत्र पत्रकार जेल में हैं। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको तीन दशकों से सत्ता में हैं। 2020 के चुनाव के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिनमें हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसी बीच एक और पत्रकार पावेल दाब्रावोल्स्की पर भी देशद्रोह का मुकदमा शुरू हुआ है। मानवाधिकार समूहों का कहना है कि बेलारूस में 1,143 राजनीतिक कैदी हैं। विपक्षी नेताओं ने कहा है कि पत्रकारिता कोई अपराध नहीं है और सरकार सच्चाई से डरती है।

बुर्किना फासो में दुष्कर्म के मामले में अमेरिकी कर्मचारी को उम्रकैद

बुर्किना फासो, एजेंसी। अमेरिका के मैरीलैंड के रहने वाले फोदे सिताफा मारा को दो नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। मारा 2022 और 2023 में बुर्किना फासो की राजधानी औगाडुगू में अमेरिकी दूतावास में कर्मचारी था। अदालत में पेश सबूतों के मुताबिक, उसने 13 और 15 साल की लड़कियों के साथ अपने सरकारी आवास में दुष्कर्म किया। अभियोजन पक्ष ने बताया कि लड़कियां बेहद गरीब परिवार से थीं और उनकी मां गंभीर बीमारी से जूझ रही थी। मारा ने मदद के बदले उनसे संबंध बनाने की मांग की। जूरी ने उसे नाबालिगों के यौन शोषण, दबाव बनाने और न्याय में बाधा डालने जैसे आरोपों में दोषी पाया। उसके वकील ने कहा है कि वह फैसले के खिलाफ अपील करेगा। यह मामला प्रोजेक्ट सेफ चाइल्डहुड के तहत चलाया गया, जो बच्चों के यौन शोषण के खिलाफ अमेरिकी अभियान है।

कांगो में सामूहिक कब्र मिलने से बीमारी का डर

उवीरा, एजेंसी। पूर्वी कांगो के उवीरा शहर में 171 शव सामूहिक कब्रों में मिलने के बाद लोगों में बीमारी फैलने का डर बढ़ गया है। दक्षिण किवु प्रांत के गवर्नर ने आरोप लगाया कि ये हत्याएं एम23 विद्रोही समूह ने कीं। हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ शव ठीक से दफन नहीं किए गए थे और वे सड़ रहे हैं, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को खतरा है। अधिकारियों ने इलाके को सील कर दिया है और जांच शुरू कर दी है। एम23 ने दिसंबर में उवीरा पर कब्जा किया था, लेकिन बाद में शांति प्रक्रिया के तहत शहर छोड़ दिया। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पूर्वी कांगो में 100 से ज्यादा सशस्त्र समूह सक्रिय हैं और सात मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। यह संघर्ष दुनिया के सबसे बड़े मानवीय संकटों में से एक बन चुका है।

हांगकांग में कार्यकर्ता के पिता को जेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रह रही हांगकांग की लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता एना क्वोक ने कहा है कि उनके पिता को जेल भेजे जाने से उनका हौसला और मजबूत हुआ है। हांगकांग की अदालत ने उनके 69 वर्षीय पिता को आठ महीने की सजा सुनाई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने एना की बीमा पॉलिसी से लगभग 11,000 डॉलर निकालने की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि यह राशि फरार व्यक्ति की संपत्ति थी। एना क्वोक पर हांगकांग सरकार ने इनाम घोषित किया है और उन पर विदेशी प्रतिबंधों के लिए लॉबिंग करने का आरोप है। अमेरिकी अधिकारियों ने उनके पिता की सजा की आलोचना की है। एना ने कहा कि वह पीछे नहीं हटेंगी और लोकतंत्र के लिए लड़ाई जारी रखेंगी।

इक्वाडोर-कोलंबिया के बीच व्यापार युद्ध तेज

क्विटो, एजेंसी। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ ने कोलंबिया पर सख्त रुख अपनाते हुए वहां से आने वाले सामान पर टैक्स 30% से बढ़ाकर 50% कर दिया है। उनका कहना है कि कोलंबिया सीमा पर नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने में नाकाम रहा है। कोलंबिया ने जवाब में इक्वाडोर के कई उत्पादों पर 30% शुल्क लगा दिया और बिजली आपूर्ति रोकने की चेतावनी दी। दोनों देशों के कारोबारी संगठनों ने कहा है कि इससे हजारों नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं। इक्वाडोर का कहना है कि कोलंबिया के साथ उसका व्यापार घाटा 1.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। हालांकि कोलंबिया ने आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि उसने रिकॉर्ड मात्रा में कोकीन जब्त की है। तनाव कम करने के लिए फिलहाल कोई बैठक तय नहीं हुई है।

बोलिविया में करेंसी से भरा प्लेन क्रैश, 15 की मौत

30 घायल, खराब मौसम के कारण रनवे से फिसला; हाईवे पर बिखरे नोट उठाने जुटे लोग

ला पाज, एजेंसी। बोलिविया के एल आल्टो शहर में शनिवार सुबह (भारतीय समयानुसार) एक विमान क्रैश हो गया। यह बोलिविया की वायुसेना का हरक्यूलिस विमान था। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हैं। विमान देश के सेंट्रल बैंक के नए नोट लेकर जा रहा था।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, खराब मौसम के बीच विमान लैंडिंग के बाद रनवे से फिसलकर पास की व्यस्त सड़क पर जा गिरा। जिस सड़क पर यह गिरा, वहां खड़ी 10 से 15 गाड़ियां भी इसके चपेट में आ गईं। एयरक्राफ्ट का मलबा, टूटी हुई कारें और लाशें सड़क पर बिखरी नजर आईं। सड़क पर बैंक के नोट भी बिखरे नजर आए, जिन्हें उठाने के लिए लोग मौके पर जुट गए। हादसे के बाद एयरपोर्ट अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

दो टुकड़ों में बंटा प्लेन : सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में हादसे के बाद अफरातफरी का माहौल दिखा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों को पानी की बौछार और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। हालांकि, इन वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। हादसे के बाद एल आल्टो इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद कर

दिया गया। राष्ट्रीय एयरलाइन ने बयान जारी कर बताया कि दुर्घटनाग्रस्त प्लेन उसके बेड़े का हिस्सा नहीं था, यह बोलिवियन एयर फोर्स का विमान था। स्थानीय मीडिया में प्रसारित फुटेज में विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखा। हादसे के बाद प्लेन दो टुकड़ों में बंट गया।

बोलिविया का सेंट्रल बैंक आज इस घटना पर प्रेस ब्रीफिंग करने वाला है। हादसे के कारणों की आधिकारिक जांच शुरू कर दी गई है। घायलों का इलाज स्थानीय अस्पतालों में जारी है। प्रशासन ने मृतकों की पहचान और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान ने एल ऑल्टो इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी ही थी कि खराब मौसम या तकनीकी खराबी के कारण वह अनियंत्रित होकर पास की मुख्य सड़क पर जा गिरा। सड़क पर गिरते ही विमान ने करीब एक दर्जन से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। मलबे की चपेट में आने से कई कारें पूरी तरह चकनाचूर हो गई हैं। विमान के गिरने के बाद उसमें भीषण आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

सड़क पर बिखरे नोट, बटोरने के लिए मची अफरातफरी : हादसे के बाद एक अजीबोगरीब स्थिति तब पैदा हो गई जब विमान में रखे करोड़ों के नए नोट पूरी सड़क पर बिखर गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि मलबे और धुएं के बीच सैकड़ों लोग बचाव कार्यों में मदद करने के बजाय बिखरी हुई नकदी को इकट्ठा करने के लिए दौड़ पड़े।

भीड़ इतनी अनियंत्रित हो गई थी कि पुलिस और स्थानीय प्रशासन को लोगों को हटाने के लिए 'वॉटर कैनन' और दंगा नियंत्रण उपकरणों का इस्तेमाल करना पड़ा। बोलीविया के सेंट्रल बैंक ने पुष्टि की है कि विमान नए बैंक नोटों को देश के आंतरिक हिस्सों में ले जा रहा था।

एयरपोर्ट बंद, जांच शुरू : इस भयावह हादसे के बाद एल ऑल्टो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है। बोलीविया के रक्षा मंत्रालय और वायुसेना ने मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। अग्निशमन विभाग के प्रमुख पावेल तोवर ने बताया कि मृतकों में विमान के चालक दल के सदस्य और सड़क पर चल रहे वाहन सवार दोनों शामिल हो सकते हैं। फिलहाल घायलों का इलाज पास के अस्पतालों में चल रहा है, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

इटली में ट्राम पटरी से उतरी, दुकान की खिड़की से टकराई, 2 लोगों की मौत, 40 घायल

मिलान , एजेंसी। इटली के मिलान शहर में शुक्रवार को एक ट्राम (रेल) पटरी से उतर गई और पास की दुकान की खिड़की से टकरा गई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 40 लोग घायल हुए हैं। स्थानीय दमकल विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि रेल पटरी से उतरने के बाद सीधे एक दुकान में जा घुसी। घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय इमरजेंसी सेवाओं के मुताबिक मौके पर 13 एंबुलेंस भेजी गईं। नागरिक सुरक्षा टीमों ने घायलों की मदद के लिए वहां एक अस्थायी टेंट भी लगाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया था। मिलान परिवहन कंपनी एटीएम ने बयान जारी कर कहा कि हादसे में शामिल ट्राम शहर में चलने वाले नए मॉडलों में से एक थी। कंपनी ने घटना पर गहरा दुख जताया और प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। एटीएम ने कहा कि हादसे के कारणों की जांच के लिए वह संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है। फिलहाल हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों की जांच जारी है।

स्वीडन में रूसी ड्रोन की घुसपैठ : स्टॉकहोम, एजेंसी। स्वीडन की सेना ने बताया कि इस हफ्ते दक्षिणी स्वीडन के पास एक रूसी ड्रोन ने बिना अनुमति उड़ान भरी। यह घटना उस समय हुई जब फ्रांस का परमाणु शक्ति से चलने वाला विमानवाहक पोत चार्ल्स डी गॉल माल्मो बंदरगाह पर मौजूद था। यह जहाज नियमित नाटो अभ्यास के तहत स्वीडन आया हुआ है। स्वीडिश सेना के अनुसार, ओरेसुंड जलडमरूमध्य में मौजूद एक रूसी सिग्नल इंटेलिजेंस जहाज से ड्रोन उड़ता हुआ देखा गया। स्वीडन के एक नौसैनिक जहाज ने ड्रोन को ट्रैक किया और उसके सिग्नल को जाम करने के लिए तुरंत जवाबी कदम उठाए।

अमेरिकी सैन्य खतरे की आशंका के चलते ईरानी कॉलेजों में विरोध प्रदर्शन

तेहरान, एजेंसी। ईरानी सरकार द्वारा देशव्यापी बड़े प्रदर्शनों को कुचलने के लिए बल प्रयोग किए जाने के सात सप्ताह बीत चुके हैं। लेकिन इस्लामी गणराज्य के खिलाफ जनता का प्रतिरोध अभी भी ईरानी कॉलेज परिसरों में सुलगता हुआ दिखाई दे रहा है। देश के छात्र आंदोलन पर नजर रखने वाले एक निर्वासित ईरानी कार्यकर्ता, विरोध प्रदर्शन के प्रत्यक्षदर्शी चार छात्रों के अनुसार, पिछले सप्ताह कम से कम 10 परिसरों में सरकार विरोधी प्रदर्शन आयोजित किए गए थे। नाम न छापने की शर्त पर बात करने वाले सभी छात्रों ने अपने-अपने परिसरों में ईरान के नेताओं के प्रति बढ़ते गुस्से और अपने देश की दिशा को लेकर भ्रम की बात कही।

कैंपस में बढ़ता तनाव ऐसे समय में सामने आया है जब सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व वाली ईरानी सरकार को देश के परमाणु कार्यक्रम को लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा सैन्य कार्रवाई की धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार छात्रों और प्रशासकों को लगातार धमका रही है। इस सप्ताह एक सरकारी अधिकारी ने छात्रों को सीमा रेखा पार न करने की चेतावनी दी, जबकि ईरान की न्यायपालिका के प्रमुख एक कट्टरपंथी मौलवी ने कहा कि यदि प्रशासकों ने विरोध प्रदर्शनों पर लगाम नहीं लगाई तो अपराधों के लिए दंड दिया जाएगा। कई विश्वविद्यालयों ने अपने परिसर बंद कर दिए हैं और कक्षाएं ऑनलाइन स्थानांतरित कर दी हैं।

शंघाई में मेटाबॉलिक रोग केंद्र शुरू, भारत-चीन संबंधों पर चर्चा : शंघाई, एजेंसी।। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के तहत स्थापित मेटाबॉलिक रोग सहयोग केंद्र के उद्घाटन अवसर पर भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। शंघाई में भारत के महावाणिज्यदूत प्रतीक माथुर ने शंघाई के मेयर गॉन्ग झेन्ग से मुलाकात की। यह बैठक शंघाई कॉर्पोशन ऑर्गनाइजेशन के ढांचे के अंतर्गत स्थापित एससीओ मेटाबॉलिक डिजीज सेंटर के उद्घाटन के दौरान हुई।

अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत:ट्रंप बोले- 48 नेता एक झटके में खत्म हुए, ईरान के 9 जहाज डुबोए

इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर लगातार दूसरे दिन हमला किया है। हमले में ईरानी इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के हेडक्वार्टर को निशाना बनाया गया। हमले के पहले दिन शनिवार को ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को कहा कि इन हमलों में 48 ईरानी 'नेता' मारे गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका ने ईरान के 9 जहाज डुबो दिए हैं। इजराइली वायुसेना ने बताया कि उसने अमेरिका के साथ मिलकर पिछले 24 घंटे में ईरान पर 1,200 से ज्यादा बम गिराए हैं। खामेनेई के ऑफिस कॉम्प्लेक्स पर 30 मिसाइलों से हमला किया गया। इसमें उनकी बेटी-दामाद, बहू और पोती समेत कॉम्प्लेक्स में मौजूद 40 कमांडर्स भी मारे गए हैं। खामनेई के मारे जाने पर ईरान में 40 दिन का राजकीय शोक और सात दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई है। वहीं, ईरानी सेना ने इजराइल समेत मिडिल-ईस्ट के कई देशों में हमले शुरू कर दिए हैं। इजराइल में एक हमले में 9 लोगों की मौत हो गई है। तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत भी हो गई है। ईरान में सत्ता संभालने के लिए फिलहाल तीन लोगों की एक अस्थायी समिति बनाई गई है। इस समिति में देश के राष्ट्रपति मसूद पजश्कियान, न्यायपालिका के प्रमुख मोहसेनी एजेही और धर्मगुरु अली रजा अराफी शामिल हैं। ईरान में 200 की मौत, 740 घायल। इजराइल और अमेरिका ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत 10 बड़े शहरों को निशाना बनाया है। इनमें 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 740 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 148 छात्राओं की मौत हो गई और 45 घायल हैं। ईरान का पलटवार- इजराइल समेत 9 देशों पर हमला ईरान ने जवाब में इजराइल समेत मिडिल-ईस्ट के

9 देशों पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। उसने कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब व वअए में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया। वअए के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई के पाम होटल एंड रिसोर्ट और बुर्ज खलीफा के पास ड्रोन हमला किया।

यौन अपराधी से संबंध पर क्लिंटन बोले- अपराध से अनजान था

वाशिंगटन, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने जेफ्री एपस्टीन मामले में किसी भी तरह की भूमिका से इनकार किया है। न्यूयॉर्क में हाउस ओवरसाइट कमेटी के सामने बंद कमरे में हुई गवाही में उन्होंने कहा कि उन्हें एपस्टीन की आपराधिक गतिविधियों की जानकारी नहीं थी।

क्लिंटन ने अपने लिखित प्रारंभिक बयान में कहा कि अगर उन्हें एपस्टीन की गतिविधियों की जानकारी होती तो वे उससे दूरी बना लेते और खुद ही पुलिस के हवाले कर देते। उन्होंने कहा कि वे एपस्टीन के अपराधों से अनजान थे और दो दशक पहले ही उससे संबंध खत्म कर चुके थे।

गवाही के दौरान एक तस्वीर पर भी सवाल हुआ, जिसमें क्लिंटन

एक अज्ञात महिला के साथ हॉट टब में दिखाई देते हैं। महिला की पहचान गोपनीय रखी गई है। सूत्रों के मुताबिक क्लिंटन ने कहा कि वे उस महिला को नहीं जानते और उनके साथ किसी तरह का यौन संबंध नहीं था।

एक दिन पहले पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने भी कमेटी के सामने बयान दिया था। उन्होंने कहा कि उन्हें एपस्टीन के अपराधों की कोई जानकारी नहीं थी। दोनों ने शुरुआत में गवाही देने का विरोध किया था। हालांकि, संसद की अवमानना की कार्रवाई की संभावना के बाद उन्होंने गवाही देने पर सहमति दी।

रिपब्लिकन चेयरमैन जेम्स कोमर ने कहा कि वीडियो व पूरी ट्रांसक्रिप्ट जल्द जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि क्लिंटन ने हर सवाल का जवाब दिया या देने की कोशिश की। गवाही के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और एपस्टीन के संबंधों पर भी सवाल उठे। डेमोक्रेट सांसद रॉबर्ट गार्सिया ने कहा कि क्लिंटन की गवाही में ट्रम्प से जुड़े तथ्य सामने आए हैं, जिन पर पूछताछ होनी चाहिए।

कोमर के मुताबिक क्लिंटन ने कहा कि ट्रम्प को बुलाना कमेटी का फैसला है और उन्हें ट्रम्प के किसी भी अपराध में शामिल होने की जानकारी नहीं है। कोमर ने कहा कि क्लिंटन 50 साल में संसद के सामने बयान देने वाले पहले राष्ट्रपति हैं।

एपस्टीन पर नाबालिगों की तस्करी और यौन शोषण के आरोप थे। वह 2019 में न्यूयॉर्क की जेल में मृत पाया गया था। जारी दस्तावेजों में कई प्रभावशाली लोगों के नाम हैं, हालांकि दस्तावेजों में नाम आने मात्र से किसी के खिलाफ अपराध सिद्ध नहीं होता।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के तुरंत बाद अमेरिका ने किया इजरायल का रुख

वॉशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजरायल दौरे के तुरंत बाद अमेरिकी विदेश मंत्री ने भी इजरायल की यात्रा की तैयारी की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को विदेश मंत्री मार्को रूबियो के 2-3 मार्च को इजरायल दौरे की घोषणा की। विदेश विभाग के प्रमुख उप प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि विदेश मंत्री मार्को रूबियो 2-3 मार्च 2026 को इजरायल की यात्रा करेंगे। उन्होंने यात्रा के उद्देश्य की रूपरेखा बताते हुए कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री वहां क्षेत्रीय प्राथमिकताओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर चर्चा करेंगे, जिनमें ईरान, लेबनान और गाजा के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की 20-सूत्रीय शांति योजना को लागू करने के जारी प्रयास शामिल हैं। यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेल अवीव दौरे के खत्म होने के तुरंत बाद हुई, जिसने भारत, इजरायल और यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका का ध्यान खींचा था। हालांकि अमेरिकी विदेश विभाग के बयान में दोनों घटनाओं को जोड़ा नहीं गया, लेकिन टाइमिंग वेस्ट एशियन रीजन में एक्टिव डिप्लोमैटिक एंगेजमेंट को दिखाता है। ट्रंप प्रशासन भारत को इस क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी मानता है, क्योंकि भारत के सभी

संबंधित पक्षों के साथ मजबूत संबंध हैं। रूबियो की चर्चाएं ईरान की क्षेत्रीय भूमिका, लेबनान की नाजुक स्थिति और गाजा से संबंधित कूटनीतिक प्रयासों पर केंद्रित रहने की संभावना है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'गाजा के लिए 20-सूत्रीय शांति योजना' का उल्लेख इस बात का संकेत है कि वाशिंगटन क्षेत्र को स्थिर करने के उद्देश्य से एक निर्धारित रूपरेखा पर आगे बढ़ रहा है। अमेरिका लंबे समय से इजरायल का सबसे करीबी सहयोगी रहा है और पश्चिम एशिया की कूटनीति में गहराई से शामिल है। गाजा ने पिछले एक दशक में बार-बार संघर्षों का सामना किया है, जिसके कारण वाशिंगटन और अन्य अंतरराष्ट्रीय पक्षों की लगातार भागीदारी बनी रही है। भारत, इजरायल और अमेरिका ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ मिलकर क्षेत्र में शांति और महत्वाकांक्षी सहयोग के उद्देश्य से एक नए समूह आई2यू2 का गठन किया है।

किम जोंग उन ने अधिकारियों को गिफ्ट कीं स्नाइपर राइफल, निशाना लगाते दिखी बेटी

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया की सत्ताधारी पार्टी के शीर्ष पद पर चुने जने के बाद किम जोंग उन ने अपने शीर्ष अधिकारियों और कमांडरों को नई स्निपर राइफल गिफ्ट की हैं। एक समारोह के दौरान किम जोंग उन ने लोगों को राइफल का तोहफा दिया। वहीं उनकी बेटी राइफल से निशाना लगाती नजर आई। चर्चा है कि किम जोंग उन बेटी को ही अपना उत्तराधिकारी बनाना चाहते हैं। किम जोंग उन ने कहा कि राइफल गिफ्ट करना दिखाता है कि उनका अपने अधिकारियों पर पूर्ण विश्वास है। इसके अलावा वर्कर्स पार्टी के लिए वह पूरी तरह से ईमानदार हैं।

हाल ही में किम की ब हन किम यो जोंग भी अमरिका और दक्षिण कोरिया के खिलाफ काफी बयान दे रही थीं। ऐसे में उनको लेकर भी कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि एक बार फिर किम जोंग उन को ही वर्कर्स पार्टी का चीफ चुना गया। स्थानीय मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में दिखाया गया कि किम यो जोंग के हाथ में भी राइफल है।

बेटी किम जू ए को लेकर क्या है प्लान : किम जोंग की बेटी की उम्र अभी 13 साल है। वैसे तो किम जोंग उन अपने परिवार को सार्वजनिक रूप से कहीं ले नहीं जाते हैं। हालांकि हाल ही में एक मिसाइल टेस्ट के दौरान वह अपनी बेटी को लेकर गए थे। इसके अलावा उनकी बहन की भी कई तस्वीरें सामने आ चुकी हैं। हाल ही में जब किम जोंग उन चीन की यात्रा पर गए थे तब भी वह बेटी को साथ लेकर गए थे। वर्कर्स पार्टी ने सात दिनों का एक वार्षिक समारोह किया जिसमें किम जोंग उन का जमकर गुणगान किया गया।

अमेरिका को दे दी धमकी : किम जोंग उन ने कहा है कि यदि अमेरिका अपनी शत्रुतापूर्ण नीति छोड़कर उत्तर कोरिया के परमाणु संपन्न राष्ट्र के संवैधानिक दर्जे को स्वीकार करता है, तो उत्तरी कोरिया अमेरिका के साथ संबंधों को सुधारने के लिए तैयार

होगा। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया की नौवीं कांग्रेस के अवसर पर आयोजित एक परमाणु सैन्य परेड में श्री किम ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा 'यदि अमेरिका उत्तर कोरिया के संविधान में परिभाषित परमाणु राष्ट्र की वर्तमान स्थिति का सम्मान करता है और उत्तर कोरिया के प्रति अपनी शत्रुतापूर्ण नीति वापस लेता है, तो ऐसा कोई कारण नहीं है कि हम अमेरिका के साथ अच्छे संबंध स्थापित न कर सकें।' किम ने कहा कि अमेरिका और उत्तर कोरिया साथ चल सकते हैं, लेकिन केवल तभी जब अमेरिका यह स्वीकार कर ले कि उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार स्थायी रूप से रहेंगे। उत्तरी कोरिया के सुप्रीम लीडर की टिप्पणियों को अप्रैल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा से पहले अमेरिका के साथ बातचीत का रास्ता खोलने के रूप में देखा गया। श्री किम ने हालांकि दक्षिण कोरिया के साथ किसी भी राजनयिक सुधार की उम्मीदों को खारिज करते हुए उन्हें सबसे बड़ा शत्रु करार दिया। किम ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया ने देश की पहचान एक परमाणु संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थायी रूप से स्थापित कर दी है और विरोधियों को स्पष्ट कर दिया है कि जब तक वैश्विक वातावरण में मौलिक बदलाव नहीं आता, उत्तरी कोरिया अपने परमाणु हथियारों का त्याग नहीं करेगा।सुप्रीम लीडर ने इस बात पर जोर दिया कि देश के परमाणु सशस्त्र बलों का और अधिक विस्तार और सुदृढ़ीकरण करना पार्टी के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने कहा,' हमारे पास वार्षिक आधार पर राष्ट्रीय परमाणु शक्ति को मजबूत करने की एक दीर्घकालिक योजना है और हम परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ परमाणु अभियानों के साधनों और दायरे के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

पर्टामिना घोटाला- पूर्व सीईओ सहित नौ को 9 से 15 साल कैद

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की एक अदालत ने सरकारी ऊर्जा कंपनी पर्टामिना की सहायक इकाइयों से जुड़े बड़े भ्रष्टाचार मामले में दो पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) समेत नौ लोगों को दोषी ठहराते हुए नौ से 15 साल तक की सजा सुनाई है। सेंट्रल जकार्ता कोर्ट ने बृहस्पतिवार को यह फैसला सुनाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार अवैध रूप से ईंधन टर्मिनल लीज पर देने और कच्चे तेल के गैरकानूनी आयात समेत अन्य अनियमितताओं से राज्य को करीब 17 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।

टी20 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका का विजय रथ जारी, जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हराकर सुपर 8 में अजेय

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए सुपर एट के अपने आखिरी मैच में जिम्बाब्वे को पांच विकेट से हराकर दक्षिण अफ्रीका ने सुपर एट में अपनी अजेय बढ़त कायम की। 154 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए, प्रोटियाज टीम को पावरप्ले के अंदर ही शुरुआती तीन विकेट गंवाने के बाद मुश्किलों का सामना करना पड़ा। क्विंटन डी कॉक पहले ही ओवर में सिकंदर रजा के हाथों आउट हो गए। जिम्बाब्वे के कप्तान ने अगले ही ओवर में एडन मार्कराम को सिर्फ चार रन पर आउट करके फिर से झटका दिया। रायन रिकेल्टन ने कुछ बड़े शॉट खेले लेकिन छठे ओवर में आउट हो गए। उन्होंने 22 गेंदों में 31 रन बनाए।

डेविड मिलर क्रीज पर देवाल्ड ब्रेविस के साथ शामिल हुए और दोनों ने चौथे विकेट के लिए 50 रन जोड़े, लेकिन ब्लेसिंग मुजरबानी ने 10वें ओवर में उनकी साझेदारी तोड़ दी। मिलर ने 16 गेंदों में दो छक्के और दो चौकों की मदद से 22 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ब्रेविस ने चार छक्के और दो चौके लगाकर मात्र 18 गेंदों में 42 रन बनाए, लेकिन रजा के हाथों आउट हो गए। ट्रिस्टन स्टब्स (24 गेंदों में 21 रन नाबाद) और जॉर्ज लिंडे (21 गेंदों में 30 रन नाबाद) ने दक्षिण अफ्रीका को 13 गेंद शेष रहते हुए आसानी से जीत दिला दी।

जिम्बाब्वे लीग चरण में अपराजित रही, लेकिन सुपर एट में लगातार तीन हार के साथ उसका अभियान समाप्त हो गया। इससे पहले, जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना और प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने के लिए संघर्ष किया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों, जिनमें क्वेना माफाका और एनरिच नॉर्त्जे शामिल थे, द्वारा शुरुआती विकेट लेकर जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया गया। कप्तान सिकंदर रजा ने 73 रनों की शानदार पारी खेलकर एकमात्र प्रतिरोध दिखाया।

जिम्बाब्वे ने पहली पारी के दूसरे ओवर में अपने सलामी बल्लेबाज तादिवानाशे मारुमानी का विकेट खो दिया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज क्वेना माफाका ने जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज को मात्र सात रन पर क्लीन बोल्ड कर दिया। पांचवें ओवर की तीसरी गेंद पर, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्त्जे ने ब्रायन बेनेट को 13 गेंदों में 15 रन पर आउट कर दिया, जिसमें दो चौके शामिल थे। पावर प्ले समाप्त होने के बाद, जिम्बाब्वे का स्कोर 45/2 था। नौवें ओवर में, जॉर्ज लिंडे ने डियोन मायर्स को 16 गेंदों में 11 रन पर आउट कर दिया, जिसमें एक चौका शामिल था। 10वें ओवर की समाप्ति के बाद जिम्बाब्वे ने 80/3 का स्कोर बनाकर अच्छी स्थिति हासिल कर ली।

'हालात हर घंटे डरावने होते जा रहे हैं', दुबई में फंसी पीवी सिंधू ने डरा देने वाली स्थिति का खुलासा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली – दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के लिए बर्मिंघम जाते हुए दुबई हवाई अड्डे पर फंस गई हैं। सिंधू ने डरा देने वाली स्थिति का खुलासा किया है। सिंदू ने बताय कि कुछ घंटे पहले हवाई अड्डे पर जहां हम रुके हुए थे उसके पास एक धमाका हुआ था। हालांकि सिंधू और उनके इंडोनेशियाई कोच इरवांस्याह आदि प्रतामा सुरक्षित हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण उड़ाने रद्द होने के बाद सिंधू और इरवांस्याह दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंस गए हैं। टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू होना है।

ईरान के मिसाइल हमलों के बाद खाड़ी देशों के कुछ हिस्सों में धमाकों की खबरें आई हैं जिसमें संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबु धाबी और दुबई भी शामिल हैं। इसके बाद दुबई हवाई अड्डे पर सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है। सिंधू ने शनिवार रात सोशल मीडिया पर तनावपूर्ण पलों के बारे में विस्तार से बताया।

सिंधू ने 'एक्स' पर लिखा, 'मुश्किल बढ़ती जा रही है और हालात हर घंटे डरावने होते जा रहे हैं। कुछ घंटे पहले हवाई अड्डे पर जहां हम रुके हुए थे उसके पास एक धमाका हुआ।' सिंधू ने लिखा, 'मेरे कोच को जल्दी से उस जगह से भागना पड़ा क्योंकि वह धुएं और मलबे के सबसे करीब थे। यह हम सभी के लिए बहुत तनावपूर्ण और डरावना पल था।' भारत के अधिकतर खिलाड़ी पहले ही बर्मिंघम पहुंच चुके हैं। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी, पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन, युवा आयुष शेट्टी, गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली की महिला युगल जोड़ी बर्मिंघम पहुंच चुके हैं। मालविका बंसोड़ भी पहुंच गई हैं लेकिन उन्नति हुड्डा अब भी भारत में हैं क्योंकि नई दिल्ली से बर्मिंघम के लिए उनकी सीधी उड़ान आखिरी समय में रद्द हो गई थी।

हीली ने विदायी मैच में लगाया शतक, भारतीय टीम ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया

होबार्ट (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने अपने करियर के अंतिम मैच में शतकीय पारी खेलकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के इस मैच में हीली ने 79 गेंदों पर शतक लगाया। वहीं वहीं 98 गेंदों पर 158 रन का बनाकर वह पेवेलियन लौटी।अपनी पारी में हिली ने 27 चौके और दो छक्के लगाये। हीली के विदायी मैच में शतक को देखकर उनके पति मिचेल स्टार्क भी बेहद खुश नजर आये। हीली के शतक पूरा करते ही स्टार्क उत्साहित नजर आये।

भारतीय टीम ने इस तीसरे मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारतीय टीम जब मैदान पर उतरी तो उन्होंने दो लाइन में खड़े होकर हीली को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। भारतीय टीम के इस रवैये की प्रशंसा हो रही है।

हीली ने जनवरी में ही सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। एकदिवसीय के बाद हीली 6 मार्च को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले दिन-रात के एकमात्र टेस्ट के दौरान अंतिम बार मैदान पर उतरेंगी। गौरतलब है कि हीली ने फरवरी 2010 में 19 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था और एकदिवसीय द्व में 3500 से ज्यादा रन बनाए हैं। टी20आई में उनके नाम 25.45 की औसत से 3054 रन दर्ज है, इस दौरान उनका सबसे अधिक स्कोर 148 नाबाद है, जो सदस्य टीमों में सबसे ज्यादा निजी स्कोर है। उन्होंने साल 2010, 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में महिला टीम 20 विश्व कप और 2013 और 2022 में एकदिवसीय विश्वकप जीता था। हीली 2018 और 2019 में क्रिकेटर ऑफ़ द ईयर भी थीं।

आईसीसी ने जनवरी के प्लेयर ऑफ द मंथ का किया ऐलान, डैरिल मिचेल और शोभना मोस्तारी को मिला सम्मान

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने जनवरी महीने के लिए पुरुष और महिला वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ का ऐलान कर दिया है। इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर डैरिल मिचेल का चयन किया गया, जबकि महिला वर्ग में बांग्लादेश की उभरती बल्लेबाज शोभना मोस्तारी को यह पुरस्कार मिला। दोनों खिलाड़ियों को महीने भर के शानदार और प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए आईसीसी ने सम्मानित किया।

डैरिल मिचेल ने भारत दौरे पर न्यूजीलैंड को वनडे सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। तीन मैचों की सीरीज में 0-1 से पीछे होने के बाद मिचेल ने लगातार दो शतकों की बदौलत मैच का रुख बदल दिया। दूसरे वनडे में उनके 131 (नाबाद) रन और तीसरे वनडे में 137 रन की पारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उनकी बल्लेबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने निर्णायक मुकाबले में 337/8 का बड़ा स्कोर खड़ा किया और सीरीज 2-1 से अपने नाम की। मिचेल ने पूरी सीरीज में कुल 352 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे। उनके शानदार फॉर्म का असर रैंकिंग पर भी दिखा और उन्होंने आईसीसी वनडे बल्लेबाजी सूची में फिर से नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया। टी20 सीरीज में भी मिचेल ने 5 मैचों में 186.56 की स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए। इस पुरस्कार की दौड़ में उन्होंने भारत के सूर्यकुमार यादव और इंग्लैंड के जो रूट को पीछे छोड़ दिया। महिला वर्ग में शोभना मोस्तारी ने आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालिफायर में धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले छह मैचों में 229 रन बनाए, जिसमें 45.80 का औसत और 145.85 की स्ट्राइक रेट शामिल रही। उनकी निरंतरता और आक्रामक अंदाज पूरे टूर्नामेंट में बांग्लादेश के लिए बड़ी ताकत साबित हुए। उनके बेहतरीन प्रदर्शन ने उन्हें आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस और तारा नॉरिस जैसे खिलाड़ियों से आगे कर दिया। मोस्तारी की बल्लेबाजी की बदौलत बांग्लादेश टीम टूर्नामेंट में अजेय रही और सीधे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर गई। आईसीसी के इस ऐलान ने दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियों को वैश्विक स्तर पर मान्यता दी है। डैरिल मिचेल और शोभना मोस्तारी का यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम घोषित, लवलीना और निकहत संभालेंगी कमान

नई दिल्ली। भारत की दो शीर्ष महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन और निकहत जरीन मंगोलिया में 28 मार्च से 11 अप्रैल तक होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में देश की 20 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने एक महीने की विस्तृत मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद टीम का चयन किया है। जनवरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद संभावित खिलाड़ियों को पटियाला स्थित राष्ट्रीय शिविर में बुलाया गया था, जहां चयन नीति के तहत उनके प्रदर्शन का आकलन किया गया। इस चैंपियनशिप के परिणामों के आधार पर राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए प्राथमिकता तय की जाएगी, इसलिए इस टूर्नामेंट का महत्व काफी बढ़ गया है। महिलाओं में मुख्य ज़िम्मेदारी लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) निभाएंगी, जिन्होंने हाल ही में स्पेन में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उनके साथ स्वर्ण विजेता प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), और प्रिया (60 किग्रा) को टीम में जगह मिली है। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मीन (57 किग्रा) भी टीम का हिस्सा होंगी। महिला टीम में अन्य महत्वपूर्ण मुक्केबाजों में शामिल हैं अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और हेवीवेट वर्ग में अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 किग्रा से अधिक)। पुरुष टीम की अगुवाई करेंगे सचिन (60 किग्रा), जिन्होंने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल और बॉक्सम चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता था।

श्रीलंकाई कप्तान शनाका ने विश्वकप से बाहर होने पर प्रशंसकों से माफी मांगी

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान दासुना शनाका ने टी20 विश्वकप से बाहर होने पर प्रशंसकों से माफी मांगी है। साथ ही कहा कि भाग्य के साथ नहीं देने के कारण वह अपनी धरती पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में असफल रहे। शनाका ने कहा कि वे पाकिस्तान के खिलाफ जीत सकते थे पर अंतिम क्षणों में विफल रहे। वह टीम के प्रदर्शन से भी निराश हैं, क्योंकि सात मैच इस टूर्नामेंट में श्रीलंका की टीम ने अपनी धरती पर खेले, जिनमें से वह केवल तीन ही जीत पायी। तीन मैच इसमें सुपर 8 के भी शामिल थे, जिसके कारण ही टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पायी। शनाका ने मैच के बाद कहा, बिल्कुल यह बहुत करीबी मैच था। मैं इसे फिनिश कर सकता था पर ऐसा नहीं हो पाया। पाक गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने अच्छी गेंदबाजी की। श्रीलंका की टीम के अभ्यान को लेकर कहा, यह हमारे लिए कठिन रहा है। हां, हमें कुछ चोटें आईं। हमने दर्शकों को निराश किया। मैं सभी प्रशंसकों से माफी मांगना चाहता हूं, क्योंकि, आप जानते हैं हम कई खिलाड़ियों के फिट नहीं होने से हारे। भविष्य में, अगर कोई चोट नहीं लगी, तो मुझे लगता है कि यह टीम बहुत अच्छा करेगी। हमें वानिंदू हसरंगा और पथिराना की कहा, उनकी कमी खली। विश्व कप के समय, आप जानते हैं, हमें अपने खिलाड़ियों की यहां जरूरत होती है और यह हमारी ताकत है। हमें उनकी शीघ्र वापसी की उम्मीद है। श्रीलंकाई क्रिकेट के लिए ये अच्छा है। वहीं आलोचकों के भड़कने पर शनाका ने कहा, कभी-कभी खिलाड़ी होने के नाते, हम भी दबाव महसूस करते हैं। ऐसे में यह मेरी गलती थी। मैं सभी प्रशंसकों को निराश करने के लिए माफी चाहता था। मैं वादा करूंगा कि मैं ऐसा दोबारा न करूं। उन्होंने पवन रथनायके के प्रदर्शन की भी प्रशंसा जिन्होंने सभी का ध्यान खींचा। कप्तान ने कहा, वह लगातार अच्छा कर रहा है और क्रीज का बहुत अच्छा इस्तेमाल कर रहा है। श्रीलंकाई क्रिकेट के लिए ये सकारात्मक संकेत है। इसके अलावा वेलालगे ने भी अच्छा खेला है। उम्मीद है, उनका भविष्य उज्ज्वल होगा।

टैलोन ग्रीक्सपूर के हटने से दानिल मेदवेदेव ने दुबई खिताब जीता

दुबई (एजेंसी)। दानिल मेदवेदेव ने शनिवार को दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में खिताब जीता, जब टैलोन ग्रीक्सपूर बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण फाइनल से पहले हट गए। ग्रीक्सपूर को शुक्रवार को आंद्रेई रुब्लेव पर अपनी सेमीफाइनल जीत के दौरान चोट लगी थी।

डचमैन ने एक सर्व के बाद अजीब तरह से लैंड किया और, हालांकि उन्होंने सीधे सेटों में जीत हासिल की, वह चैंपियनशिप मैच के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए, जिसके परिणामस्वरूप वॉकओवर हो गया। ट्रॉफी सेरेमनी के दौरान ग्रीक्सपूर ने कहा, 'मैं बेहतर हो गया हूं, यह पक्का है। बदकिस्मती से सेमीफाइनल के दौरान मुझे चोट लग गई। मैं आज सुबह हॉस्पिटल गया और कुछ स्कैन हुए, जिसमें कुछ सीरियस दिखा। इसकी वजह से मैं आज रात कोर्ट पर नहीं आ पाया और आने वाले हफ्तों में भी कोर्ट पर नहीं आ पाऊंगा।' यह टाइटल मेदवेदेव का 23वां टूर-लेवल क्राउन है और जनवरी में ब्रिस्बेन में जीतने के बाद 2026 सीजन का दूसरा क्राउन है। यह पहली बार भी है जब 30 साल के इस खिलाड़ी ने एक ही इवेंट दो बार जीता है, इससे पहले उन्होंने 2023 में दुबई में जीत हासिल की थी। एटीपी लाइव रैंकिंग में नंबर 11 पर मेदवेदेव नंबर 10 अलेक्जेंडर बुब्लिक से सिर्फ 45 पॉइंट पीछे हैं, जबकि वह पिछले साल जून के बाद पहली बार टॉप 10 में वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं। पहली बार एक ही इवेंट दो बार जीतने के बारे में पूछे जाने पर मेदवेदेव ने कहा, 'यही इसकी क्रेजी बात है। मैंने दुनिया के किसी भी शहर में ऐसा कभी नहीं किया, और पहली बार जब मैंने ऐसा किया, तो यह वॉकओवर के जरिए हुआ... हम हफ्ते की शुरुआत से पहले ही जानते थे, जिस तरह से मैं प्रैक्टिस कर रहा था, मैं एक भी बॉल मिस नहीं कर सकता था। हम जानते थे कि यह एक शानदार हफ़्ता होने वाला है। यह एक शानदार हफ़्ता था और मैं आने वाले अगले टूर्नामेंट्स का इंतज़ार कर रहा हूं।' हार्ड कोर्ट पर अपनी 21वीं टूर-लेवल ट्रॉफी के साथ मेदवेदेव ने एक्टिव खिलाड़ियों में नोवाक जोकोविच (72) के बाद, इस सरफेस पर दूसरे सबसे ज़्यादा जीत के मामले में वर्ल्ड नंबर 2 जैनिक सिनर की बराबरी कर ली। ग्रीक्सपूर दुबई में अपने करियर का चौथा और सबसे बड़ा एटीपी टूर टाइटल जीतने की कोशिश कर रहे थे, जहां उन्होंने इस हफ्ते टॉप 20 प्लेयर्स बुब्लिक, जैकब मेंसिक और रुब्लेव पर जीत दर्ज की। डचमैन की मेदवेदेव के साथ एकमात्र पिछली भिड़ंत पिछले साल दुबई में हुई थी, जब उन्होंने सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में यादगार चार मैच पॉइंट बचाए थे। मेदवेदेव अगली बार इंडियन वेल्स में एटीपी मास्टर्स 1000 में हिस्सा लेंगे, जहां वह दो बार के फाइनलिस्ट हैं।

सलमान अली आगा की कप्तानी पर संकट गहराया

- माइक हेसन रहे तो शादाब खान बनेंगे नए कप्तानः शाहिद अफरीदी

नई दिल्ली । टी20 विश्व कप में पाकिस्तान का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। सलमान अली आगा की कप्तानी में टीम बड़ी टीमों के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सकी, और कप्तान का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। लगातार आलोचनाओं के बीच पाकिस्तान की टीम प्रबंधन और कप्तानी को लेकर बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। इस बीच पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने दावा किया है कि अगर कोच माइक हेसन अपना पद बनाए रखते हैं तो शादाब खान पाकिस्तान टीम के अगले कप्तान होंगे। अफरीदी के इस बयान ने पाकिस्तान क्रिकेट में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। उन्होंने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि शादाब खान और हेसन का जुड़ाव काफी पुराना है, जो पाकिस्तान सुपर लीग की टीम इस्लामाबाद यूनाइटेड के समय से रहा है। अफरीदी के अनुसार शादाब एक बुरे विकल्प नहीं हैं, लेकिन उनकी गेंदबाजी में प्रदर्शन में सुधार जरूरी है ताकि वह टीम को और मजबूती से नेतृत्व दे सकें। टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें धागे से लटकी हुई थीं, लेकिन इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर जीत ने पाकिस्तान की थोड़ी उम्मीद जगाई है। फिर भी पाकिस्तान के लिए रास्ता आसान नहीं है। टीम को अपने अंतिम सुपर-8 मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ 64 रनों के बड़े अंतर से जीत हासिल करनी होगी, या फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए मैच 13.1 ओवर के भीतर समाप्त करना होगा। फिलहाल न्यूजीलैंड का रन रेट (+1.390) पाकिस्तान (-0.461) से काफी बेहतर है, इसलिए पाकिस्तान को बड़े अंतर वाली जीत ही सेमीफाइनल में पहुंचा सकती है। सलमान अली आगा की कप्तानी पिछले कुछ मैचों से विवादों में है। पाकिस्तान के खेल विश्लेषक और पूर्व खिलाड़ी लगातार उनके फैसलों और मैदान पर कमजोर रणनीतियों पर सवाल उठा रहे हैं। क्रिकेट फैंस भी सोशल मीडिया पर कप्तान और टीम दोनों पर नाराजगी जता रहे हैं। अगर टीम श्रीलंका के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती तो सलमान अली अगा की कप्तानी लगभग समाप्त मानी जा रही है। पाकिस्तान के लिए अब सबकुछ उनके अंतिम मुकाबले पर निर्भर करता है। यदि बड़ी जीत मिलती है तो सेमीफाइनल का टिकट संभव है, लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो टीम और कप्तान दोनों को विश्व कप के बाद बड़े बदलावों का सामना करना पड़ सकता है।

आकिब नबी बने टीम इंडिया की नई उम्मीद, रणजी सीजन में रचा बड़ा इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट को जल्द ही एक धाकड़ तेज गेंदबाज मिलने जा रहा है। 29 वर्षीय पेसर आकिब नबी रेड बॉल क्रिकेट में लगातार कमाल करते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट की दहलीज पर दस्तक दे रहे हैं। मौजूदा रणजी ट्रॉफी सीजन में उनकी घातक गेंदबाजी ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया है। जम्मू-कश्मीर के इस तेज गेंदबाज ने पूरे सीजन बल्लेबाजों को जमकर परेशान किया और फाइनल मुकाबले में भी अपना दम साबित किया। कर्नाटक के खिलाफ केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे खिताबी मुकाबले की पहली पारी में नबी ने शानदार 5 विकेट चटकाए। उनकी दमदार गेंदबाजी की बदौलत कर्नाटक की पारी 293 रन पर सिमट गई और जम्मू-कश्मीर ने 291 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर इतिहास रचने की ओर कदम बढ़ा दिए।

हॉकी इंडिया ने महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए टीम घोषित की, सविता निजी कारणों से हटीं

हैदराबाद (एजेंसी)। अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया ने निजी कारणों से महिला विश्व कप क्वालीफायर से नाम वापस ले लिया है जबकि हॉकी इंडिया ने रविवार को मिडफील्डर सलीमा टेटे की कप्तानी में 20 सदस्यीय टीम घोषित की। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होना है।

मेजबान भारत, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के तीन क्वालीफिकेशन स्थानों के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। टीम को दो पूल में बांटा गया है जिसमें इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया पूल ए में हैं जबकि मेजबान भारत, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स को पूल बी में रखा गया है।

सूत्रों के मुताबिक सविता ने पारिवारिक कारणों से ब्रेक लिया है। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'सविता टूर्नामेंट से पहले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा नहीं थीं क्योंकि उन्होंने पारिवारिक वजहों से नाम वापस ले लिया था। इसलिए उनके नाम पर विचार करने का कोई कारण नहीं था।'

अनुभवी सलीमा टीम की अगुआई करती रहेंगी। बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम गोलकीपिंग की जिम्मेदारी साझा करेंगी। सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता और इशिका चौधरी रक्षा पंक्ति में शामिल हैं जबकि कैप्टन सलीमा, नेहा, सुनीता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुतजा ददासो पिसल और दीपिका सोरेंग मिडफील्ड की जिम्मेदारी संभालेंगी।

अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू को जगह मिली है। मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'हम एक साथ अपने पहले टूर्नामेंट को लेकर उत्सुक हैं। हम फिटनेस और रणनीति पर काम कर रहे हैं जिससे कि टीम में हर कोई अपने काम और भूमिका को समझ सके। हम आगे के मुकाबलों के लिए पूरी तरह से तैयार होने के लिए हैदराबाद में दो अभ्यास मैच खेलेंगे।' भारत अपने अभियान की शुरुआत आठ मार्च को उरुग्वे के खिलाफ करेगा। टीम इसके बाद नौ मार्च और 11 मार्च को क्रमशः स्कॉटलैंड और वेल्स के खिलाफ खेलेगी।

टीम

गोलकीपर : बंसरी सोलंकी, बीचू देवी खारीबम

डिफेंडर : सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता, इशिका चौधरी

मिडफील्डर : नेहा, सलीमा टेटे, सुनीता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुतजा ददासो पिसल, दीपिका सोरेंग

फारवर्ड : नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू

जयसूर्या का इस्तीफा, बोर्ड ने नये कोच की तलाश शुरु की

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच . सनथ जयसूर्या ने पाकिस्तान के खिलाफ मिली हार के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। श्रीलंकाई टीम लीग स्तर में अपने अच्छे प्रदर्शन के बाद भी सुपर-8 के सभी मैच हार गयी है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने अब नये कोच की तलाश भी शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि जयसूर्या जुलाई 2024 में टीम के अंतरिम मुख्य कोच बने थे। इसके बाद अक्टूबर में उन्हें पूर्णकालिक कोच बनाद दिया गया था। उनका करार इसी साल जून 2026 तक था पर टीम के लचर प्रदर्शन को देखते हुए उन्होंने तत्काल पद छोड़ना ही सही समझा है। सुपर-8 में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से लगातार मिली हार के बाद श्रीलंकाई टीम बाहर हुई है। इससे टीम साल 2014 के बाद से ही पांचवीं बार टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई है। पाक के खिलाफ अंतिम मैच में दासुन शनाका के 31 गेंदों में नाबाद 76 रन की आक्रामक पारी से टीम जीत के करीब पहुंच गयी थी। वह 213 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए के पांच रन ही पीछे रह गयी। जयसूर्या के कोच रहते श्रीलंका ने सभी प्रारुपो को मिलाकर कुल 76 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए 34 जीते और कुल जीत प्रतिशत करीब 45 रहा। बोर्ड के एक अधिकारी के अनुसार उसने कोच पद के लिए कई उम्मीदवारों से बात की है।

क्या द वार्डरोब में दिव्या अग्रवाल निभा रही हैं भूत का किरदार?

राज गवली प्रोडक्शन ने अपनी आगामी सुपरनैचुरल थ्रिलर द वार्डरोब का दिलचस्प फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी कर दिया है, और फैंस अब यह सवाल पूछ रहे हैं — क्या दिव्या अग्रवाल इस फिल्म में भूत का किरदार निभा रही हैं? सौरभ चौबे के निर्देशन में बनी इस हॉरर थ्रिलर में द वार्डरोब भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में एक रहस्यमयी महिला को पुराने, आधे खुले लकड़ी के वार्डरोब से बाहर निकलते हुए दिखाया गया है, जिस पर लताएं लिपटी हुई हैं। खून से सने सफेद गाउन में और धुएं व अंधेरे से घिरे माहौल के बीच दिव्या का डरावना अंदाज़ उनके किरदार को लेकर कई सवाल खड़े करता है। वार्डरोब के भीतर से आती लाल रोशनी फिल्म के सुपरनैचुरल टोन को और गहरा करती है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। हालांकि मेकर्स ने कहानी के अहम पहलुओं को अभी गोपनीय रखा है, लेकिन पोस्टर ने इस बात की अटकलों को हवा दे दी है कि दिव्या किसी बेचैन आत्मा की भूमिका में हो सकती हैं।

खतरनाक स्टंट नहीं करने की चॉइस सिर्फ मेरी नहीं थी

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड की देसी गर्ल से हॉलीवुड की एक्शन गर्ल बनने तक का सफर बखूबी तय किया है। जल्द ही वह एक हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' में लीड रोल में दिखेंगी। इस फिल्म को लेकर प्रियंका काफी एक्साइटेड हैं। लेकिन फिल्म में कई एक्शन सीन्स प्रियंका ने खुद नहीं किए। इसकी वजह भी वह साझा करती हैं।

खतरनाक शॉट्स से प्रियंका ने बनाई दूरी

हाल ही में वैरायटी से की गई बातचीत में प्रियंका चोपड़ा ने कहा, 'कुछ शॉट्स ऐसे थे जिनके लिए मुझे अपने स्टंट डबल पर डिपेंड रहना पड़ा। स्टंट डबल को तीन या चार खतरनाक शॉट्स करने पड़े। इसमें चेहरे पर कांच लगने वाले सीन्स भी शामिल थे।'

प्रियंका चोपड़ा आगे कहती हैं, 'यह चॉइस सिर्फ मेरी नहीं थी। प्रोडक्शन टीम को भी चिंता थी। उन्होंने मुझे खतरनाक स्टंट करने नहीं दिए। देखिए, मैं हीरो नहीं हूं, मैं काम करने के लिए काम पर जाती हूं। मैं नहीं चाहती कि किसी को चोट लगे या मुझे खुद को भी चोट लगे।'

फिल्म 'द ब्लफ' में क्या है प्रियंका चोपड़ा का किरदार?

प्रियंका चोपड़ा और कार्ल अर्बन स्टारर 'द ब्लफ' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। फ्रैंक ई फ्लावर्स के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म एक कैरिबियन महिला की कहानी है, जिसका

सीक्रेट पास्ट तब सामने आता है जब समुद्री लुटेरे उसके आइलैंड पर हमला करते हैं। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा ने गजब का एक्शन भी किया है।

इन प्रोजेक्ट्स में भी आएंगी देसी गर्ल नजर

प्रियंका चोपड़ा के करियर फ्रंट की बात करें तो वह हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' और राजामौली की पैन इंडिया फिल्म 'वाराणसी' का हिस्सा हैं। 'वाराणसी' फिल्म में प्रियंका चोपड़ा साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म बड़े स्तर पर बन रही है। इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका चोपड़ा लगातार भारत आ रही हैं। अब उनका नाम फिल्म '007 बॉन्ड' सीरीज को लेकर भी सामने आ रहा है।

साउथ फिल्मों की अजीब डिमांड से परेशान हो रहीं है तापसी

तापसी पन्नू ने बॉलीवुड के अलावा तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्मों में भी अभिनय किया है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने साउथ मेकर्स की अजीब डिमांड का जिक्र किया। तापसी का मानना है कि इस वजह से कई बार सेट पर असहज स्थिति भी बन जाती थी। आखिर क्या थी वो डिमांड?

साउथ की फिल्मों को करते हुए कौन सी दिक्कत आती है?

तापसी पन्नू ने बताया कि साउथ की फिल्मों में एक्ट्रेस के अपीयरेंस पर बहुत ज्यादा फोकस किया जाता है। वह कहती हैं, 'साउथ फिल्मों में आकर्षक दिखने के लिए खास तरह के कपड़े पहनने के लिए बोला जाता है। लेकिन इसमें समस्या यह है कि सेट पर हीरोइन को यह बात बताने के लिए लड़कियां गिनती की होती हैं। ऐसे में डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर को बोलता है। फिर वह हेयर या स्टाइल टीम की किसी दीदी को बताते हैं। आप सोचो कितना शर्मनाक होगा कि सेट पर एक गाने के शूट में एक्ट्रेस का बीच में उठकर जाना है। सब देख रहे होते हैं कि क्या फर्क हुआ? फिर पता चलता है कि हमें फर्क पता नहीं चल रहा। ऐसे में एक्ट्रेसेस को वापस जाने को कहा जाता है।' तापसी का मानना है कि साउथ में एक्ट्रेस की फिजिकल अपीयरेंस पर फोकस किया जाता है। मेकर्स को लगता है कि इससे ऑडियंस की फैंटेसी पूरी होती है और फिल्म को लेकर अट्रैक्शन बढ़ता है।

फिल्म 'अस्सी' को लेकर चर्चा में तापसी पन्नू

फिल्म 'अस्सी' में कनी कुश्रुति, जीशान अय्यूब, तापसी पन्नू, कुमुद मिश्रा और रेवती जैसे कलाकार नजर आए हैं। तापसी फिल्म में रेप पीड़िता की वकील बनी हैं। वहीं रेप पीड़िता के रोल में कनी कुश्रुति दिखीं। दोनों ने ही दमदार अभिनय किया है। फिल्म 'अस्सी' की कहानी रेप पीड़िता के संघर्ष को दिखाती है, कानूनी प्रक्रिया में रेप केस के फैसलों में क्यों देरी होती है? परिवार और उस महिला पर क्या गुजरती है, इन बातों को निर्देशक ने बहुत ही संवेदनशील तरीके से दिखाया है। साथ ही इस जघन्य अपराध के पीछे की मानसिकता को भी सामने रखा है। बॉक्स ऑफिस पर भी यह फिल्म ठीक-ठाक कलेक्शन कर रही है।

यश की 'टॉक्सिक' में नए अक्षय ओबेरॉय की एंट्री

यश की अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' सुर्खियों में है। फिल्म के मेकर्स हर दिन इसकी अपडेट दे हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर जारी हुआ है जिसे दर्शकों ने पसंद किया है। अब मेकर्स ने फिल्म के एक और कलाकार का लुक जारी किया है। मेकर्स ने फिल्म से अक्षय ओबेरॉय का लुक जारी किया है। केवीएन प्रोडक्शन ने अपने इंस्टाग्राम पर अक्षय ओबेरॉय का लुक जारी किया है। इसमें वह टोनी के रूप में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में टोनी भूरे रंग के ड्रेस में हैं। वह खून से लथपथ हैं। पोस्टर में देखा जा सकता है कि उनके आस-पास कई घायल लोग पड़े हुए हैं। इन लोगों के हाथ-पैर रस्सी से बंधे हैं। फिल्म में यश, राया और टिकट के डबल रोल में नजर आएंगे। हाल ही में रिलीज हुए टीजर में राया पर ज्यादा फोकस किया गया है। इसमें उन्हें एक खतरनाक गैंगस्टर के तौर पर दिखाया गया। टीजर में भरपूर एक्शन है। मेकर्स ने फिल्म से कई कलाकारों के लुक शेयर किए हैं। इसमें नादिया के रोल में कियारा आडवाणी, गंगा के रोल में नयनतारा, एलिजाबेथ के रोल में हुमा कुरैशी, रेबेका के रोल में तारा सुतारिया, टोविनो थॉमस, डेरेल डी'सिल्वा और मेलिसा के रोल में रुक्मिणी वसंत होंगी। फिल्म 'टॉक्सिक' को यश और डायरेक्टर गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखा है। यह फिल्म 1940 और 1970 के दशक के बीच गोवा में सेट है। कन्नड़ और इंग्लिश में एक साथ शूट की गई यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगू और मलयालम जैसी भाषाओं में रिलीज होगी। टॉक्सिक 19 मार्च, 2026 को रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' के साथ बॉक्स ऑफिस पर क्लैश करने वाली है। दोनों ही बड़ी फिल्में हैं। देखना होगा कि कौन सी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टिक पाती है।

राहुल भट्ट ने साझा किया 'कैनेडी' का शूटिंग अनुभव

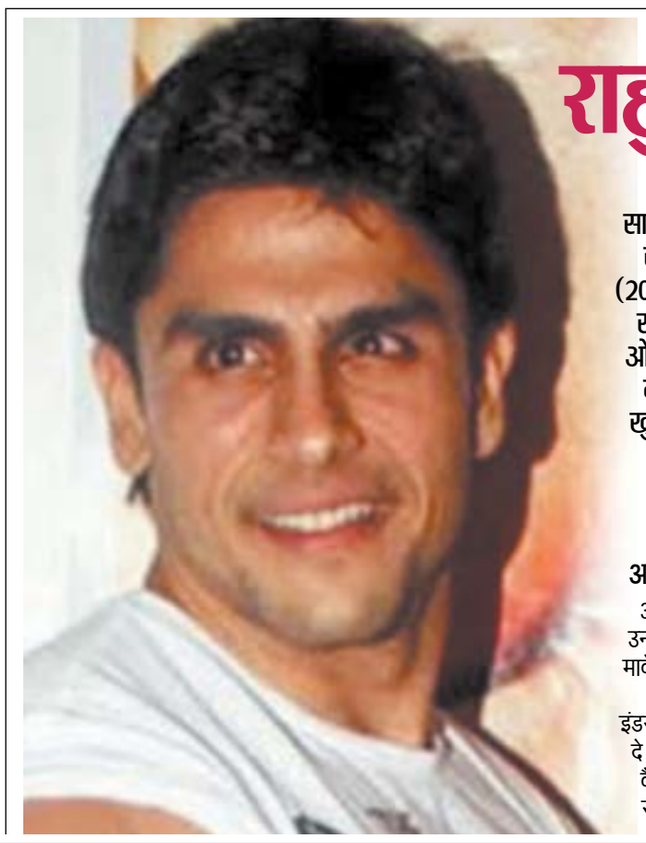

राहुल भट्ट और अनुराग कश्यप कई साल से एक-दूसरे को जानते हैं। दोनों ने साथ में 'अग्ली' (2013) और 'दोबारा' (2022) जैसी फिल्में की हैं। अब दोनों की साथ में तीसरी फिल्म 'कैनेडी' जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। बातचीत में राहुल ने अनुराग कश्यप के बारे में खुलकर बात की और उनके साथ अपने काम के अनुभव साझा किए। साथ ही फिल्म के बारे में भी जानकारी दी।

इतने साल में अनुराग में क्या बदलाव आया? क्या उन पर इंडस्ट्री का दबाव है?

अनुराग को जो करना होता है वो वही करते हैं। उनके ऊपर इंडस्ट्री का कोई दबाव नहीं होता। वो मार्केट के लिए फिल्में बनाते ही नहीं। वो वह काम करते हैं, जिससे उन्हें तसल्ली मिलती है। वो इंडस्ट्री के बड़े ज्ञानी हैं। हम उनको कुछ ज्ञान नहीं दे सकते। उन्हें अच्छे से बिजनेस पता है। फिल्म कैसे बिकेंगी, किधर जाएंगी। उनकी फिल्मों की सेल्फ लाइफ लंबी होती है। उन्होंने कितना कुछ हासिल किया और कितने ही टैलेंट को आगे बढ़ाया है।

क्या आपको लगता है इंडस्ट्री ने उन्हें वो दिया जिसके वो हकदार हैं?

ये सिर्फ आप और हम सोचते हैं। वो ये सब नहीं सोचते कि इंडस्ट्री ने उन्हें क्या दिया और क्या नहीं? बाकी वो बड़े आदमी हैं। उनकी शिकायतें होंगी तो पता नहीं क्यों होंगी। मैं तो इस बारे में कुछ नहीं कह सकता। उनको जितना जानता हूं बस इतना कह सकता हूं कि उनको बहुत कुछ मिला है, बहुत कुछ उन्होंने पाया है अपनी जिंदगी में। बाकी उनका टैलेंट इतना है कि उनको बहुत कुछ और मिलना चाहिए और वो मिलेगा भी। उन्हें कोई नहीं रोक सकता।

'कैनेडी' का शूटिंग अनुभव कैसा रहा? अपने किरदार के बारे में कुछ बताएं?

अनुराग की फिल्में मेरे ऊपर सेट से दूर होने और शूटिंग पूरी होने के बाद भी असर बनाए रखती हैं। 'कैनेडी' की शूटिंग के दौरान अपने किरदार के अंदर की आवाज, चाल और जो एटिट्यूड मैंने अपनाया.. वह लंबे समय तक मुझसे बना रहा। इस फिल्म में अपने किरदार को मैंने एक खास आवाज दी। वो आवाज शूटिंग के बाद भी मेरे अंदर से आती रही। लोग कहते थे – 'क्या कर रहा है तू? सीधे बात कर।' गाड़ी चलाते वक्त भी मेरा एट्टीट्यूड वैसा ही रहता था। मानो जैसे कोई खतरनाक आदमी गाड़ी चला रहा हो। फिल्म खत्म होने के बाद भी करीबन तीन महीने तक यह किरदार मेरे साथ रहा।

इंडस्ट्री में बदलावों पर आपकी क्या राय है?

पहले एक ही तरीके की फिल्में बन रही थीं, अब सिनेमा थोड़ा खुल गया है। ओटीटी प्लेटफार्म ने एक नया पिटारा खोला है। लोगों को एक्सपोजर मिल गया है और काफी मजेदार फिल्में बन रही हैं। मुझे लगता है मेरे जैसे अभिनेताओं के लिए यह बहुत अच्छा वक्त है।

सूरत में आयोजित अखिल भारतीय कोली समाज की राष्ट्रीय बैठक में सांसद उमेश पटेल ने एकता, शिक्षा और राजनीतिक सशक्तिकरण का किया आह्वान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सूरत 01 मार्च। सूरत में आयोजित अखिल भारतीय कोली समाज की महत्वपूर्ण राष्ट्रीय बैठक में दमण-दीव लोकसभा क्षेत्र के सांसद उमेश पटेल ने समाज को एकता, आत्ममंथन और राजनीतिक सशक्तिकरण का सशक्त संदेश दिया। बैठक की शुरुआत कोली समाज के गौरव स्वर्गीय छोटू पीठावाला की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन रखकर की गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय कोली समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गुजरात सरकार के कैबिनेट मंत्री कुंवरजी बावडिया ने सांसद उमेश पटेल को आज की सभा का अध्यक्ष घोषित किया। साथ ही उन्हें अखिल भारतीय कोली समाज का कार्यकारी उपाध्यक्ष भी घोषित किया गया। बैठक में अखिल भारतीय कोली समाज के कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रकांत पीठावाला, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के विभिन्न राज्यों से आए पदाधिकारी तथा गुजरात के विभिन्न जिलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सांसद ने कहा कि मैं आज यहां सांसद के रूप में नहीं, समाज के परिवार के सदस्य के रूप में खड़ा हूं, मेरी कोई राजकीय पार्टी या हाईकमान नहीं है, किन्तु हमारा कोली समाज ही मेरी पार्टी और हाईकमान है। अपने संबोधन में सांसद उमेश पटेल ने कहा कि कोली समाज का इतिहास केवल एक समाज का इतिहास नहीं है, बल्कि साहस, स्वाभिमान और संघर्ष की जीवंत गाथा है। उन्होंने कहा कि दमण-दीव से लेकर पूरे गुजरात और देशभर में उल्लेखनीय संख्या में बसे कोली समाज ने कृषि, मछली पालन और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। लेकिन उन्होंने गंभीर आत्मचिंतन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि बहुसंख्यक होने के बावजूद समाज को शिक्षा, रोजगार और राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व और अधिकार नहीं मिले हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पार्टी का उपयोग समाज के लिए करें, समाज का उपयोग पार्टी के लिए नहीं। सांसद उमेश पटेल ने युवाओं से नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनने का आह्वान किया। उन्होंने समाज की माताओं, बहनों और बेटियों को समान सम्मान और अवसर देने पर विशेष बल दिया। सांसद उमेश पटेल ने कहा कि यदि कोली समाज एकजुट हो जाए, तो गुजरात का मुख्यमंत्री ही नहीं बल्कि देश के प्रधानमंत्री तक पहुंचने की क्षमता समाज में मौजूद है। उन्होंने कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों में सक्रिय समाज के लोग दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर समाजहित को सर्वोपरि रखें। अखिल भारतीय कोली समाज के कार्यकारी उपाध्यक्ष के रूप में घोषित किए जाने पर सांसद उमेश पटेल ने समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पद सम्मान नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने संकल्प लिया कि वे राष्ट्रीय स्तर पर कोली समाज की एकता, शिक्षा विस्तार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। बैठक में संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, युवा सशक्तिकरण, शैक्षिक सहायता और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई।

पीएमश्री रिंगणवाडा उच्च प्राथमिक विद्यालय अंग्रेजी माध्यम में मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

■ रिंगणवाडा ग्राम पंचायत सरपंच चैताली कामली, सोमनाथ पंचायत सरपंच वर्षिका पटेल एवं दमण जिला पंचायत उपप्रमुख रीना पटेल ने उपस्थित रहकर विज्ञान प्रदर्शनी का किया निरीक्षण ■ स्कूल व्यवस्थापन समिति के चेयरमैन शिरीष दमणिया रहे उपस्थित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 मार्च। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आज पीएमश्री चंद्रशेखर आजाद सरकारी उच्च प्राथमिक रिंगणवाडा अंग्रेजी माध्यम स्कूल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। स्कूल के इंचार्ज हेडमास्टर विरेन्द पटेल के दिशानिर्देश में स्कूल में विज्ञान प्रोजेक्ट प्रदर्शनी, गणित प्रोजेक्ट प्रदर्शनी, पजल्स गेम प्रदर्शन एवं मैजिक ट्रिक का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के छात्रों की 32 टीमों ने विज्ञान प्रोजेक्ट प्रदर्शन में हिस्सा लिया। विज्ञान दिवस के कार्यक्रम की शुरुआत में रिंगणवाडा ग्राम पंचायत सरपंच चैताली कामली, सोमनाथ ग्राम पंचायत सरपंच वार्षिका पटेल, दमण जिला पंचायत उपप्रमुख रीना पटेल और स्कूल व्यवस्थापन समिति के चेयरमैन शिरीष दमणिया ने उपस्थित रहकर छात्रों को प्रोत्साहित किया। स्कूल के इंचार्ज हेडमास्टर विरेन्द्र पटेल ने अपने अभिभाषण में छात्रों को देश के महान वैज्ञानिक डॉ. सी. वी. रमन के जीवन से परिचित करवाया और रमन इफेक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही बच्चों को अपने वैज्ञानिक सोच का सही उपयोग करने पर मार्गदर्शन दिया। सोमनाथ सरपंच वर्षिका पटेल ने छात्रों से चर्चा विमर्श करते हुए हर दिन अपने जीवन में आने वाली प्रॉब्लम का सोल्यूशन के बारे में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का इस्तेमाल करके उस दिशा में कार्य करना चाहिए और नए भारत को टेक्नोलॉजी से सम्पूर्ण विकसित करने वाले भावी प्रोजेक्ट को देखकर उनकी सराहना की। जिला पंचायत उपाध्यक्ष रीना पटेल और रिंगणवाडा सरपंच चैताली कामली ने छात्रों को विज्ञान में रूचि बढाने एवं आगे भी इसी तरह प्रोजेक्ट पर विशेष रूप से कार्य करने का मार्गदर्शन दिया। स्कूल के कक्षा-6 से 8 के छात्रों ने विज्ञान प्रदर्शन में स्वयं निर्मित विज्ञान मॉडल प्रदर्शित किए। जिसमें स्मार्ट रेलवे सिस्टम विथ स्मार्ट ट्रेन, वॉटर मैनेजमेंट, रेलवे ट्रेक क्रेक डिटेक्शन सिस्टम, प्लेन क्रेस डिटेक्शन सिस्टम, नंबर एण्ड प्लेस वेल्यू, नंबर पार्क, पझल एण्ड पैटर्न, एंगल के प्रकार, 1 टू 12 स्क्वेर, एलसीएम फाईंडिंग, वेस्ट मैनेजमेंट, पार्ट्स ऑफ़ ह्युमन हार्ट, रोबोट्र्स एण्ड उनके उपयोग, पार्ट ऑफ ह्युमन ब्रेइन, फ्यूचर टेक्नोलॉजी इन 2050, फ्यूचर रोबोर्ट हेल्पिंग ह्युमंस, स्मार्ट लाइब्रेरी इंटरीयर डिज़ाइन, बायोडायवर्सिटी, हाइड्रोपोनिक्स सिस्टम, वुडन एण्ड बाम्बू हॉउस, इंडस वेल्ली सिविलाइजेशन, स्मार्ट पार्किंग, 3डी होलोग्राम इत्यादि टॉपिक पर विज्ञान एवं गणित प्रदर्शनी प्रस्तुत की गई, जिसका स्कूल के कक्षा 3 से 8 के सभी छात्रों ने लाभ लिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी महानुभावों ने संयुक्त रूप से प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और प्रदर्शित किए सभी विज्ञान मॉडल का जायजा लेते हुए छात्रों के साथ चर्चा विमर्श किया और सभी छात्रों को चॉकलेट और पुष्प देकर सम्मानित कर प्रोत्साहित किया। स्कूल के इंचार्ज हेडमास्टर विरेन्द्र पटेल ने सभी महानुभावों का इस अवसर पर उपस्थित रहकर छात्रों का हौसला बढाने पर विशेष आभार ज्ञापन किया। इस राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के प्रोग्राम नोडल शिक्षक हिरलबेन उमेशकुमार एवं साथी शिक्षक आशा हलपति, यज्ञेश खंडाल, अथिरा नायर, सचिनभाई, धीरजभाई एवं अन्य सभी शिक्षकों का खास सहयोग रहा।

कडैया पंचायत क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ समापन: देवका वाडी फलिया बनी विजेता

■ कडैया ग्राम पंचायत सरपंच शंकर पटेल ने फाइनल विजेता और उपविजेता टीम को सौंपी ट्रॉफी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 मार्च। कडैया ग्राम पंचायत द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का आज समापन हुआ। इस टूर्नामेंट में पंचायत विस्तार के कुल 15 टीमों ने हिस्सा लिया था। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला देवका वाडी फलिया और एनरकॉन कॉलोनी कडैया के बीच खेला गया था। जिसमें देवका वाडी फलिया की टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबला जीत लिया। इस अवसर पर मुख्य रुप से उपस्थित कडैया ग्राम पंचायत सरपंच शंकर पटेल, पंचायत सदस्यों एवं स्टाफ ने विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

दीव पुलिस विभाग ने क्वीज प्रतियोगिता का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 01 मार्च। दीव पुलिस विभाग द्वारा दीव जिले के स्कूलों के लिए नेशनल इंटीग्रेशन में सरदार पटेल की भूमिका थीम पर क्वीज प्रतियोगिता का अयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वणाकबारा, गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल घोघला, सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बुचरवाडा और गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल दीव के विद्यार्थियों ने क्वीज प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस दौरान क्वीज प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किये गये। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लेने के साथ ही सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ऐसी कोशिशें न सिर्फ हमारे देश के नेताओं के बारे में जानकारी और जागरूकता बढाती हैं, बल्कि युवाओं को देश बनाने में मदद करने और एकता और अखंडता के मूल्यों को बनाए रखने के लिए भी प्रेरित करती हैं। दीव पुलिस ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों का प्रोत्साहित किया।

प्रॉपर्टी अपराध की रोकथाम और स्क्रैप डीलरों का सत्यापन करने के लिए दमण पुलिस ने किया जागरूकता शिविर

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 मार्च। दमण पुलिस ने प्रॉपर्टी से जुड़े अपराधों को रोकने और चोरी के इंडस्ट्रियल सामान को ठिकाने लगाने के लिए स्क्रैप मार्केट के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए पूरे जिले में स्क्रैप डीलरों का वेरिफिकेशन और उन्हें जागरूक किया। दमण के पुलिस सुपरिटेंडेंट के निर्देशों और एसडीपीओ के सुपरविज़न में पांचों पुलिस स्टेशनों के सभी स्टेशन हाउस ऑफिसर्स ने अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में काम कर रहे स्क्रैप डीलर्स का को-ऑर्डिनेटेड वेरिफिकेशन किया। इस पहल का मकसद चोरी को रोकना, चोरी की प्रॉपर्टी को हैंडल करना और प्रॉपर्टी क्राइम करने या उन्हें बढ़ावा देने में स्क्रैप डीलर्स की किसी भी तरह की डायरेक्ट या इनडायरेक्ट भागीदारी को रोकना था। अभियान के दौरान स्क्रैप डीलरों को सख्त चेतावनी दी गई कि वे चोरी की गई या संदिग्ध प्रॉपर्टी को खरीदना, छिपाना या निपटान में मदद नहीं करना इंडस्ट्रियल या कॉमर्शियल एसेट्स की चोरी या गैर-कानूनी तरीके से हटाने में शामिल न हों या उसका सपोर्ट न करें। संदिग्ध व्यक्ति या सामान की तुरंत नज़दीकी पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करें। इस दौरान लगभग 110 स्क्रैप डीलरों को वेरिफाई किया गया और उन्हें जानकारी दी गई। दमण पुलिस ने फिर कहा है कि चोरी, उकसाने या चोरी का सामान बेचने में शामिल पाए जाने वाले किसी भी डीलर के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लगातार रोकथाम के पुलिसिंग उपायों के तहत लगातार मॉनिटरिंग जारी रहेगी। नागरिकों और इंडस्ट्रियल यूनिट्स से आग्रह है कि वे किसी भी संदिग्ध एक्टिविटी की तुरंत रिपोर्ट पास के पुलिस स्टेशन में करें।

दमण में साढे तीन साल की बच्ची ने रखा रोजा, की इबादत

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 मार्च। दमण की साढे तीन साल की छोटी बच्ची इनाया अकीफ शरीफ ने आज रोजा रखा था। पवित्र रमजान माह में दमण के शरीफ मंजिल कुंभारवा विस्तार की रहने वाली छोटी बच्ची इनाया ने आज रोजा रखकर इबादत की।

दमण परिवहन विभाग के ड्राइवर जयसुख वी. पटेल हुए सेवानिवृत्त

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 मार्च। दमण परिवहन विभाग में बतौर ड्राइवर की सेवा दे रहे जयसुख वी. पटेल 28 फरवरी 2026 को सेवानिवृत्त हुए। जयसुख पटेल ने दमण के सरकारी विभिन्न विभागों में लगातार 38 वर्ष तक निष्ठापूर्वक एवं प्रशंसनीय सेवा देकर सेवानिवृत्त हो गये हैं। उनके लंबे समय तक प्रशासन को सेवा देने के बदले विभाग की ओर से सेवानिवृत्ति विदाई के साथ अभिनंदन दिया गया। इस अवसर पर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं सुख-शांति से जीवन व्यतीत करने की कामना भी की गई।

उमरगाम तालुका के वलवाडा में रामजी परिवार की स्थापना पर हुआ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 मार्च। उमरगाम तालुका के वलवाडा में विश्वेश्वर महादेव चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रामजी परिवार की स्थापना के साथ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य यजमान के रुप में रेखाबेन प्रदीपभाई मोहनलाल देसाई बिराजमान थे। मंदिर के निर्माण के अवसर पर मुख्य दाताओं में रेखाबेन प्रदीपभाई मोहनलाल देसाई की तरफ से 11 लाख का दान दिया गया था। साथ ही उनके तरफ से ही महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया। जिसमें बडी संख्या में भक्तों ने पहुंचकर महाप्रसाद का लाभ लिया। ट्रस्ट एवं ग्रामीणों ने दानदाता का आभार व्यक्त किया।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)